सूविचार

नर हो न निराश करो मन को। कुछ काम करो, कुछ काम करो। जग में रहकर कुछ नाम करो?

दैनिक
# इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com
www.internalnews.com

वर्ष : 12 | अंक : 40 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, शनिवार 09 मई 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सोने के साथ अब कटनी के बड़वारा में डोलोमाइट के भंडार-ब्लॉक्स आरक्षित

# कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का कटनी बनेगा राष्ट्रीय मॉडल

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है। कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे स्थानीय स्तर पर सुनाही के नाम से भी जाना जाता है। यहॉ पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसे अब वर्ष 2025-26 में अंतिम रूप दिया गया है।

### सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार

इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### 50 वर्ष के लिए हुआ खनन समझौता

स्वर्ण अयस्क क्षेत्र के विकास के लिए मुंबई की 'प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी ने 121 करोड़ रूपये से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। लगभग 6.5 हैक्टेयर क्षेत्र में खनन गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश, औद्योगिक गतिविधियाँ और रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल खनिज उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना, वैल्यू एडिशन और रोजगार सृजन सुनिश्चित करना भी है।

### माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0 से मिला वैश्विक निवेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अगस्त 2025 में आयोजित 'माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0' ने कटनी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर नई पहचान दिलाई। कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे।

## संक्षिप्त समाचार

### हरियाणा में निकाय चुनाव मतदान 10 मई को

**चंडीगढ़।** हरियाणा में 10 मई को होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने संबंधित क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाताओं के लिए मतदान के दिन पेड लीव देने की घोषणा की है। मुख्य सचिव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों में मेयर और वार्ड पार्षदों के चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा। इसके अलावा रेवाड़ी नगर परिषद और सांपला, धारूहेड़ा तथा उकलाना नगर समितियों में भी मतदान कराया जाएगा। इसी दिन छह वार्डों में उपचुनाव भी होंगे। इनमें टोहाना, झज्जर, राजौंद, तरावड़ी, कनीना और सढौरा के वार्ड शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट किया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 135-B के तहत सरकारी कर्मचारियों, बोर्डों, निगमों, शैक्षणिक संस्थानों तथा निजी संस्थानों में कार्यरत उन कर्मचारियों को पेड लीव दी जाएगी, जो संबंधित मतदान क्षेत्रों के पंजीकृत मतदाता हैं। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करना है।

### 242 लोगों की मौत का खुलेगा राज! जल्द आ सकती है अहमदाबाद प्लेन हादसे की रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** 12 जून 2025 का दिन इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक है, इस दिन अहमदाबाद में हुए प्लेन हादसे ने पूरे देश को सदमें में डाल दिया था। 12 जून 2025 को एयर इंडिया का ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद के एक मेडिकल हॉस्टल और मेडिकल मेस से टकराकर गिर गया था। जिसमें 241 यात्री मारे गए थे। अब अहमदाबाद प्लेन क्रैश से जुड़ी हुई बड़ी खबर ये सामने आई है कि इसकी रिपोर्ट अगले 1 माह में आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने प्लेन क्रैश रिपोर्ट के बारे में बताया कि प्लेन क्रैश की जांच अंतिम स्टेज में है, अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट अगले 1 माह में आ सकती है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि अभी कई एजेंसियां ??और एएआईबी जांच कर रही हैं, केंद्र की ओर से अब तक पूरी मदद दी गई है जांच अब आखिरी स्टेज में है। प्लेन क्रैश के मामले में पीड़ितों से संपर्क न हो पाने के बारे में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हालात पर नजर रखी जा रही है। मुआवजा मिले, इसके लिए सावधानी रखी जा रही है, इसकी ठीक से जांच की जा रही है। प्लेन हादसे के बाद हॉस्टल के डॉक्टरों ने बालकनी से कूदकर अपनी जान बचाई इसतरह के कई वीडियो भी सामने आए थे। इसके अलावा हादसे के दौरान एक चमत्कार भी हुआ था, जिसमें एक व्यक्ति जिंदा बचा था। हादसे के वक्त विश्वास कुमार रमेश किसी तरह से बाहर निकले, 242 लोगों में 230 मुसाफिर थे और 12 क्रू मेंबर थे, बदकिस्मती की बात ये रही कि हादसे में एक मुसाफिर को छोड़कर बाकि सबकी जान चली गई।

### राघव की देशवासियों से अपील, एकजुट रहे....भारत आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर कड़ा बयान दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपने वीडियो संदेश में उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की और भारतीय सेना के साहस तथा पराक्रम की जमकर सराहना की। 'जय हिंद साथियों' से अपने संदेश की शुरुआत कर बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन अगर पड़ोसी पाकिस्तान जैसा हो, तब सही रास्ते पर लाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय सिर्फ पाकिस्तान से नहीं, बल्कि आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि सेना इस बार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं और आतंक की जड़ों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन जताकर कहा कि पूरे देश को उनके साथ 'चट्टान की तरह' खड़ा रहना चाहिए।

## गर्मी का इलाज, जेब में प्याज रखो, कांग्रेस नेता का केंद्रीय मंत्री सिधिया पर तंज

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के लू अभियान पर निशाना साधकर कहा कि मोदी सरकार के एक मंत्री ने पहले ही गर्मी का इलाज, जेब में प्याज रखो की लू कार्य योजना की घोषणा की है। कांग्रेस नेता और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश का तंज केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के उस पुराने नुस्खे पर था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि वे गर्मी के चरम मौसम में अपनी जेब में प्याज रखते हैं, ताकि गर्मी से राहत पा सकें।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री ने गर्मी से जंग, दिल्ली सरकार के संग के नारे के साथ देश की राजधानी के लिए हीट एक्शन प्लान की घोषणा की है। दरअसल, उनके भाजपा सहयोगी और मोदी सरकार के एक मंत्री ने पहले ही गर्मी का इलाज, जेब में प्याज रखो के नारे के साथ हीट एक्शन प्लान शुरू किया था। कुछ दिन पहले मध्य प्रदेश के गुना स्थित अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र में एक सभा को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि आज के युग में हर कोई फोन रखता है, लेकिन वह प्याज रखते हैं, क्योंकि यह चिलचिलाती गर्मी में शरीर का तापमान नियंत्रित करने में मदद करता है। फिर उन्होंने अपनी बात साबित करने के लिए अपनी जेब से एक प्याज निकाला, जिससे वहां मौजूद लोग खूब हंसे। सिंधिया ने कहा कि मैं अपनी कार में एसी नहीं चलाता, मैं बस अपनी जेब में एक प्याज रखता हूं।

## सोफिया मामले में सुप्रीम कोर्ट से मोहन सरकार को फटकार

» विजय के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में इतनी देरी क्यों

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार को कड़ी फटकार लगाकर पूछा कि आखिर आदिवासी मामलों के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने में इतनी देरी क्यों हो रही है। यह मामला भारतीय सेना की अधिकारी सोफिया कुरैशी के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणियों से जुड़ा है। कर्नल कुरैशी ने बीते वर्ष 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मीडिया को जानकारी दी थी और उसी संदर्भ में मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह के बयान पर विवाद खड़ा हुआ था।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मध्यप्रदेश सरकार से पूछा कि सुप्रीम कोर्ट के पहले दिए गए आदेश का पालन क्यों नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने पहले ही निर्देश दिया था कि दो सप्ताह के भीतर अभियोजन की मंजूरी पर फैसला लिया जाए, लेकिन मोहन सरकार अब तक कोई स्पष्ट निर्णय नहीं ले सकी।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि शाह की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण थीं। उन्होंने दलील दी कि संभवतः मोहन सरकार के मंत्री का उद्देश्य कर्नल कुरैशी की तारीफ करना था, लेकिन वे अपनी बात सही तरीके से नहीं रख सके। हालांकि सुप्रीम कोर्ट इस तर्क से संतुष्ट नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण नहीं बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। पीठ ने टिप्पणी की कि राजनेता सार्वजनिक बयान देते समय बेहद सावधान रहते हैं और उन्हें पता होता है कि अपनी बात कैसे रखनी है। अदालत ने कहा कि अगर यह वास्तव में जुबान फिसलने का मामला होता, तब तुरंत माफी मांगी जाती। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री शाह द्वारा बाद में दी गई माफी की ईमानदारी पर भी सवाल उठाए।

### स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने कहा, पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी

**पटना।** पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करूंगा।' इस अवसर पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के राजनीति में आने और मंत्री बनने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को 21 वर्षों तक राजनीति से दूर रखा, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की जरूरत को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने विश्वास जताया कि निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में बेहतर काम होगा। बिहार सरकार में गुरुवार को हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार में 32 मंत्रियों को शामिल किया गया था।

## राहुल गांधी आय से अधिक संपत्ति मामला-हाई कोर्ट ने बंद कमरे में सीलबंद कराई केस फाइल

**लखनऊ।** इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में अहम सुनवाई की। मामले की संवेदनशीलता और दस्तावेजों की प्रकृति को देखते हुए अदालत ने न केवल सुनवाई 12 मई तक टाल दी, बल्कि पूरी केस फाइल को सीलबंद कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का आदेश भी दिया। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई के दौरान ही सीलबंद फाइल खोली जाएगी। इस मामले को लेकर अदालत ने प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतते हुए इसे इन-चैंबर (बंद कमरे) में सुना, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में मामले की सुनवाई जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार से जुड़ी एजेंसियों के अधिवक्ताओं ने अदालत से कहा कि उन्हें संबंधित विभागों से लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने सहमति जताते हुए अगली सुनवाई की तारीख 12 मई निर्धारित कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि तब तक सभी संबंधित पक्ष आवश्यक निर्देश प्राप्त कर लें। विदित हो कि यह याचिका कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने अज्ञात स्त्रोतों से बड़ी संपत्ति अर्जित की है, जिसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए।

### तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विधानसभा को ही बहुमत परीक्षण का सही मंच माना है।

**राजनीति**

टीवीके को कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई(एम) और वीसीके का समर्थन

# तमिलनाडु में विजय के सीएम बनने की राह साफ

**चेन्नई।** तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय के मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के बाद अब विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके), सीपीआई और सीपीआई(एम) ने भी टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके साथ ही पार्टी विधानसभा में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई है। इस बीच खबर है कि टीवीके प्रमुख विजय ने शुक्रवार को भी लगातार तीसरे दिन राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मिलने का समय मांगा। इससे पहले 6 और 7 मई को भी वे राज्यपाल से मिले थे, लेकिन राज्यपाल ने स्पष्ट कहा था कि सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए 118 विधायकों का समर्थन जरूरी है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 108 सीटों पर जीत हासिल की थी। विजय स्वयं दो सीटों से चुनाव जीते हैं, ऐसे में उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। इस स्थिति में पार्टी के पास प्रभावी रूप से 107 विधायक रह जाते हैं और बहुमत के लिए 11 अतिरिक्त विधायकों की जरूरत थी। कांग्रेस के 5 विधायक पहले ही टीवीके को समर्थन दे चुके थे। इसके बाद सीपीआई और सीपीआई(एम) के दो-दो विधायकों तथा वीसीके के समर्थन से पार्टी बहुमत के जरूरी आंकड़े तक पहुंच गई। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीपीआई महासचिव डी राजा से फोन पर बातचीत कर टीवीके को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सेक्युलर सरकार बनाने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट रहना चाहिए, ताकि भाजपा को सत्ता में आने का मौका न मिले। सरकार गठन को लेकर जारी सियासी हलचल के बीच शुक्रवार सुबह टीवीके समर्थकों ने चेन्नई स्थित राजभवन (लोकभवन) के बाहर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई समर्थकों को हिरासत में लिया। टीवीके ने यह भी कहा है कि यदि डीएमके और एआईएडीएमके गठबंधन कर सरकार बनाने का दावा पेश करते हैं, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे सकते हैं।

# नगर के गौरव और जन-भावनाओं का सम्मान!

नगर परिषद भैरूंदा द्वारा अपने वार्ड (वार्ड क्रमांक 14) शास्त्री कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन उद्यान का नाम सर्वसम्मति से महाराणा प्रताप उद्यान रखने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। आगामी 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती के पावन पर्व पर सर्व राजपूत समाज द्वारा यहाँ वीर शिरोमणि की भव्य प्रतिमा हेतु भूमि पूजन किया जाएगा। उद्यान का कार्य पूर्ण होने के पश्चात समाज द्वारा ही यहाँ प्रतिमा स्थापित की जाएगी। आज इसी तारतम्य में नगर परिषद के यशस्वी अध्यक्ष श्री मारूति शिशिर जी, वरिष्ठ समाजसेवी आदरणीय श्री शेर सिंह जी राजपूत (बाबूजी), उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री रितेश मकवाना जी एवं पार्षद प्रतिनिधि श्री महेंद्र जी परिहार के साथ स्थल निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। यह उद्यान आने वाली पीढ़ियों के लिए साहस और स्वाभिमान का प्रतीक बनेगा।

## भैरूंदा की धरा आयोजन का मंच, विकास की सौगातें बुधनी को जनमानस में उठे सवाल- क्या भैरूंदा केवल भीड़ जुटाने तक सीमित?

**विष्णु प्रसाद राठौर जिला संवाददाता, दैनिक इंटरनल न्यूज़ क्षेत्र जिला सीहोर / भैरुंदा**

**भैरूंदा** –क्षेत्रीय राजनीति में एक अनोखा विरोधाभास उभरकर सामने आया है। जब केंद्र और राज्य सरकार की बड़ी योजनाओं की सौगातें बाँटने का अवसर आता है, तो दृष्टि बुधनी की ओर मुड़ जाती है। वहीं जब राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में जनसहभागिता और भीड़ की आवश्यकता होती है, तो भैरूंदा की भूमि ही सबसे उपयुक्त प्रतीत होती है। आगामी 10 मई को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चतुर्थ चरण और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान 2026–27 के शुभारंभ का कार्यक्रम भैरूंदा में आयोजित होना है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति प्रस्तावित है। आयोजन की सफलता हेतु प्रशासन और संगठन दोनों ही स्तर पर व्यापक तैयारियाँ जारी हैं। आयोजकों के अनुसार 20 हजार से अधिक नागरिकों की सहभागिता संभावित है। स्थानीय जागरूक नागरिकों का मत है कि राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर भैरूंदा में ही क्यों किया जाता है, जबकि क्षेत्र के विकास और बड़ी सौगातों की घोषणा के समय बुधनी को प्राथमिकता दी जाती है। उनका कहना है कि जब भी बड़े आयोजन कराने होते हैं, नगर को चुना जाता है, परंतु विकास योजनाओं की घोषणा के समय बुधनी की धरा को ही उपयुक्त माना जाता है।

प्रस्तावित योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 1763 करोड़ रुपये की लागत से 2117 किलोमीटर लंबी 963 सड़कों का निर्माण किया जाना है, जिससे 987 बसाहटें लाभान्वित होंगी। सीहोर जिले में 165 करोड़ रुपये से 209 किलोमीटर लंबी 81 सड़कें निर्मित होंगी, जिनसे जिले की 84 बसाहटों को लाभ मिलेगा। इसी प्रकार पीएम जनमन योजना के तहत 261 करोड़ रुपये की लागत से 384 किलोमीटर लंबी 168 सड़कों की मंजूरी दी गई है। जनमानस में यह चर्चा भी है कि मेट्रोपॉलिटन योजना में संपूर्ण सीहोर जिला शामिल होने के बावजूद भैरूंदा क्षेत्र को पुनः वंचित रखा गया। स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में भी यह क्षेत्र अपेक्षित विकास से वंचित रहा है। अब क्षेत्रवासियों की दृष्टि आगामी 10 मई के कार्यक्रम पर टिकी है। वे आशा कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री इस मंच से भैरूंदा जिले की घोषणा कर क्षेत्र को न्याय दिलाएँगे, अन्यथा यह आयोजन भी केवल भीड़ जुटाने का साधन बनकर रह जाएगा।

## प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने सीहोर में ली विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

**विष्णु प्रसाद राठौर, जिला संवाददाता दैनिक इंटरनल न्यूज़, भोपाल क्षेत्र जिला सीहोर**

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतु और अर्धघुमंतु कल्याण मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर सीहोर पहुंचीं, जहां उन्होंने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में जिले के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाने एवं लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेन्द्र मेवाड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस विकास राठौर, कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

# महाराणा प्रताप जयंती: शनि मंदिर के पास बनेगा 'महाराणा प्रताप उद्यान', 9 मई को भूमिपूजन

### नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर बोले- राष्ट्र स्वाभिमान और शौर्य का प्रतीक बनेगा उद्यान

**विष्णु प्रसाद राठौर, जिला संवाददाता दैनिक इंटरनल न्यूज़, भोपाल क्षेत्र: जिला सीहोर**

नगर परिषद भेरुंदा द्वारा नगर की जनभावनाओं का सम्मान करते हुए वार्ड क्रमांक 14 स्थित शनि मंदिर के पास निर्माणाधीन उद्यान का नामकरण 'महाराणा प्रताप उद्यान' किए जाने का निर्णय लिया गया है। सर्व राजपूत समाज के आग्रह पर यह प्रस्ताव नगर परिषद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया। आगामी 9 मई को महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर यहां वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शास्त्री कॉलोनी में निर्माणाधीन उद्यान का निरीक्षण, नगर परिषद और राजपूत समाज जुटा तैयारियों में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बुधवार को नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर एवं उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा रितेश मकवाना ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान समाजसेवी शेर सिंह राजपूत 'बाबूजी', उपाध्यक्ष प्रतिनिधि रितेश मकवाना, वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद प्रतिनिधि महेंद्र परिहार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने उद्यान निर्माण की प्रगति का अवलोकन कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की। नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि राष्ट्र स्वाभिमान और शौर्य के प्रतीक हैं। उनके नाम पर बनने वाला यह उद्यान नगरवासियों के लिए प्रेरणा केंद्र बनेगा। वहीं उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा मकवाना ने कहा कि उनके वार्ड में वीर शिरोमणि के नाम पर उद्यान का निर्माण होना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

# 'आत्मा' योजना के तहत जिले के नवाचारी किसानों को मिलेगा सम्मान, सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन 20 मई तक आमंत्रित

### जिला स्तर पर 10 और विकासखंड स्तर पर 35 किसानों का होगा चयन, आधुनिक खेती, नवाचार और उत्कृष्ट कार्य के आधार पर दिए जाएंगे पुरस्कार

**नर्मदापुरम।** किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचार और बेहतर उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन अंतर्गत आत्मा योजना के तहत वर्ष 2025–26 के लिए सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार वर्ष 2026–27 में आधार वर्ष 2025–26 के लिए जिले के उत्कृष्ट और नवाचारी किसानों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत जिला स्तर पर 10 सर्वोत्तम कृषकों तथा विकासखंड स्तर पर 35 सर्वोत्तम कृषकों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया में उन किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाया हो, नवाचार किए हों, जैविक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण अथवा अन्य कृषि आधारित गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य किया हो।

उप संचालक सह परियोजना संचालक आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग नर्मदापुरम द्वारा जिले के सभी विकासखंडों में कार्यरत बीटीएम एवं एटीएम अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों एवं कृषि समन्वयकों के साथ समन्वय स्थापित कर पात्र किसानों से आवेदन प्राप्त करें। प्रत्येक श्रेणी में न्यूनतम पांच आवेदन प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक दस्तावेज एवं सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर 20 मई 2026 तक संबंधित कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य होगा। समय सीमा के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

कृषि विभाग ने जिले के प्रगतिशील किसानों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय पर आवेदन करें, ताकि कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को मंच और सम्मान मिल सके। विभाग का मानना है कि ऐसे पुरस्कार अन्य किसानों को भी नई तकनीक अपनाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

# ऑपरेशन सिंदूर कार्यक्रम आयोजित कर सेना के शौर्य को किया नमन

**भोपाल।** माहराणा प्रताप मंडल द्वारा ऑपरेशन सिंदूर कार्यक्रम आयोजित कर भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और समर्पण को नमन किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं पुरुष ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी ने ÷ऑपरेशन सिंदूर - भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और समर्पण को नमन÷ लिखे बैनर के साथ सेना के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। इस दौरान %भारत माता की जय% और %वंदे मातरम% के नारे लगाए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राकेश कुकरेजा, ने कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस की वजह से ही हम सुरक्षित हैं। इस अवसर पर निर्भय धाकड़ ने कहा ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हम सेना के जवानों के त्याग और बलिदान को याद कर रहे हैं। इस अवसर पर दीपक शर्मा,सुनीता राजपूत, महेश शक्या,कैलास चंदक्य,संतोष गुप्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे

**भोपाल।** पुलिस कमिश्नरेट कम्युनिटी पुलिसिंग डीआईजी विनीत कपूर के द्वारा स्थापित, सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत एक वक्ता के रूप मेंआमंत्रित किया गया था ( उदय सामाजिक संस्था के 9वी से 12वी तक के छात्रों के लिए करियर ओरिएंटेशन . कार्यक्रम में भारी संख्या में मिसरोद, बाघसेवानिया, इटखेड़ी की झुग्गीबस्ती के जरूरतमंद बच्चे अपने अभिभावकों के साथ शामिल हुए. कार्यक्रम में, भोपाल आयुक्त पुलिस, संजय कुमार, सीएसपी रजनीश कश्यप इत्यादि प्रमुख रूप से विभिन्न थाना प्रभारियों एवं कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहे।

# वरिष्ठ नागरिकों को न्याय और सुरक्षा का भरोसा दे रही विदिशा पुलिस की सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत

**भोपाल।** समाज में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, सुरक्षा एवं संवेदनशीलता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विदिशा पुलिस द्वारा संचालित ÷सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत÷ एक प्रभावी एवं जनहितकारी पहल के रूप में सामने आई है। जिले में यह पहल बुजुर्गों के लिए न्याय और विश्वास का ऐसा मंच बन चुकी है, जहाँ उनकी समस्याओं को न केवल गंभीरता से सुना जा रहा है, बल्कि पारिवारिक समन्वय, सामाजिक संवेदनशीलता एवं कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में संचालित इस पहल के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े विवादों एवं समस्याओं की नियमित रूप से सुनवाई की जा रही है। पंचायत की बैठकों में कोर कमेटी के सदस्य आर. कुलश्रेष्ठ, प्रमोद व्यास, डॉ. सचिन गर्ग, विनोद शाह, अतुल शाह एवं डी.के. वाजपेयी सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं।

सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत की शुरुआत 23 जनवरी 2025 को की गई थी। तब से लेकर 15 अप्रैल 2026 तक कुल 54 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में कुल 187 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 131 मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। शेष मामलों में दस्तावेज, साक्ष्य एवं संबंधित पक्षों की उपस्थिति के आधार पर विधिसम्मत कार्यवाही एवं आगामी सुनवाई की प्रक्रिया जारी है। हाल ही में आयोजित बैठक में कुल 10 प्रकरणों की सुनवाई की गई। पंचायत के माध्यम से कई जटिल पारिवारिक मामलों का आपसी समझाइश एवं संवाद के जरिए समाधान कराया गया। एक प्रकरण में शमशाबाद क्षेत्र के एक वरिष्ठ नागरिक ने शिकायत की थी कि उनके बेटे द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि निकालकर खर्च कर दी गई तथा उनकी जमीन पर खेती की जा रही है। सुनवाई के दौरान पंचायत ने दोनों पक्षों को समझाइश देकर सहमति बनाई, जिसके तहत बेटे ने 15 दिनों के भीतर शेष राशि लौटाने पर सहमति व्यक्त की।

एक अन्य मामले में विधवा बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे द्वारा डराने-धमकाने एवं घर के बाहर खड़ी बाइक में आग लगाने की शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को विधिसम्मत आपराधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार पारिवारिक हस्तक्षेप, वैवाहिक तनाव एवं संपत्ति विवादों से जुड़े मामलों में भी दोनों पक्षों को सुनकर समाधान के प्रयास किए गए। कई मामलों में आपसी सहमति से विवाद समाप्त हुए तथा परिवारों में सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित हुआ। सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत की विशेषता यह है कि यहाँ केवल शिकायतों की सुनवाई ही नहीं होती, बल्कि बुजुर्गों को मानसिक संबल, सामाजिक सुरक्षा एवं पारिवारिक सम्मान दिलाने का प्रयास भी किया जाता है। कई मामलों में पुलिस एवं पंचायत सदस्यों की पहल से टूटते पारिवारिक संबंध पुनः सामान्य हुए हैं तथा बुजुर्गों को अपने ही परिवार में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिला है। मध्यप्रदेश पुलिस का मानना है कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, संस्कार एवं योगदान समाज की दिशा तय करते हैं। ऐसे में उनका सम्मान, सुरक्षा एवं भरण-पोषण सुनिश्चित करना केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी भी है। विदिशा पुलिस की यह पहल अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन रही है। सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत नागरिकों को न्याय दिलाने में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि समाज में पारिवारिक मूल्यों एवं संवेदनशीलता को भी मजबूत कर रही है।

# आध्यात्मिक सभा में पंडित डॉ. काशीनाथ मिश्र ने भविष्य मालिका पुराण के आधार पर कलियुग के अंत, विश्व संकट और अनंतयुग के संकेत बताए

**भोपाल।** भोपाल में चल रही आध्यात्मिक सभा में जगन्नाथ संस्कृति के विख्यात विद्वान, श्रीमद्भागवत महापुराण एवं भविष्य मालिका पुराण के वैश्विक प्रवक्ता परमपूज्य पंडित डॉ. काशीनाथ मिश्रजी ने भविष्य मालिका पुराण के आधार पर मानव सभ्यता के वर्तमान समय, कलियुग के अंतिम चरण, आने वाले वैश्विक संकटों और अनंतयुग के आगमन के संकेतों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

पंडितजी भविष्य मालिका पुराण का 10 भाषाओं में अनुवाद करने वाले प्रथम आचार्य हैं और भारत सहित विदेशों में सभाओं के माध्यम से सनातन धर्म, श्रीहरि भक्ति और युग परिवर्तन के संदेश को जन-जन तक पहुँचा चुके हैं। पंडित डॉ. काशीनाथ मिश्रजी ने कहा कि कलियुग के 5125 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और अब धर्म-परिवर्तन तथा युग परिवर्तन का महाकाल चक्र सक्रिय हो चुका है। भविष्य मालिका पुराण के अनुसार कलियुग अपने अंतिम पड़ाव में है और अनंतयुग का आरंभ निकट है।

उन्होंने बताया कि पंचभूत प्रलय, महामारी, अनाज का संकट, असमय वर्षा, वर्षा ऋतु में सूखा, भूकंप, तूफान, ग्लेशियरों का पिघलना, ध्रुवों की स्थिति में परिवर्तन, सूर्य और चंद्र की स्थिति में परिवर्तन जैसे संकेत भविष्य मालिका में वर्णित हैं और आज धीरे-धीरे दिखाई दे रहे हैं। पंडितजी ने यह भी कहा कि जगन्नाथ मंदिर से जुड़े संकेत जैसे ध्वज पतन, नीलचक्र से ध्वज गिरना, भारी शिला पतन और रथ-स्तंभ पर गिद्ध पक्षी का बैठना कलियुग के अंत और युग परिवर्तन के अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत हैं। पंडितजी ने भविष्य मालिका पुराण के संदर्भ में बताया कि आने वाले समय में विश्व स्तर पर बड़े संकट उत्पन्न होंगे। उनके अनुसार 64 प्रकार की अज्ञात और गंभीर बीमारियाँ फैलेंगी, जिनमें हृदयाघात, ब्रेन स्ट्रोक, कैंसर और अन्य घातक रोग प्रमुख होंगे। अनेक लोग अचानक बीमारी से कुछ ही घंटों में मृत्यु को प्राप्त होंगे और कई गाँवों तथा क्षेत्रों में भारी जनहानि की स्थिति बन सकती है। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र में कीट और रोगों के कारण फसलें नष्ट होंगी, अनाज संकट उत्पन्न होगा और प्रकृति का संतुलन बिगड़ता जाएगा। विमान दुर्घटनाओं, यात्रा दुर्घटनाओं, बड़े सार्वजनिक मेलों, ट्रैफिक और भीड़भाड़ वाली जगहों पर मृत्यु की घटनाओं में वृद्धि के संकेत भी बताए गए।

### विश्व युद्ध और वैश्विक संघर्ष के संकेत

पंडितजी ने सभा में भविष्य मालिका पुराण के आधार पर आने वाले वैश्विक संघर्षों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्व युद्धङ्ग3 की स्थिति बन सकती है और 13 मुस्लिम देशों के एक साथ आने के बाद महाविनाशकारी युद्ध की परिस्थिति उत्पन्न होगी।उनके अनुसार पहले छाया युद्ध जैसी स्थिति बनेगी, उसके बाद पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध के संकेत हैं। चीन की ओर से भी भारत पर युद्ध की स्थिति बन सकती है।

पंडितजी ने यह भी संकेत दिया कि इस कठिन समय में भारत को रूस का समर्थन मिलेगा और जापान भी भारत के पक्ष में खड़ा हो सकता है। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल सहित कई देशों में राजनीतिक अस्थिरता और सामाजिक विघटन को उन्होंने भविष्य मालिका के संकेतों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इंटरनेट शटडाउन, संचार बाधाएँ, राजनीतिक संकट, सामाजिक अस्थिरता और अधर्मी तत्वों का विनाश भी युग परिवर्तन की प्रक्रिया का हिस्सा होगा।

### कलियुग के अंतिम सामाजिक संकेत

पंडितजी ने भविष्य मालिका पुराण के आधार पर यह भी बताया कि कलियुग के अंतिम समय में समाज में ऐसे परिवर्तन दिखाई देंगे जहाँ पुरुष पुरुष से और नारी नारी से विवाह करेंगे। अधर्म को सम्मान मिलेगा, असत्य को सत्य बताकर उसकी प्रशंसा होगी और नारी का श्रृंगार भी बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि अनंतयुग के आगमन के संकेतों में कहीं-कहीं आम और नीम के वृक्षों पर फूल खिलना और रात 12 बजे कोयल का बोलना भी बताया गया है।

# यादव समाज के सैकड़ों लोग लाठी डंडे, लेकर पहुंचे थाने, कई दुकानदारों का सामान फेंका, देर रात तक किया हंगामा

**सिरोंज सईद खान**

विगत रात्रि यादव समाज के सैकड़ों लोग लाठी डंडे लेकर रात 9 बजे थाने पहुचे और देर रात तक डटे रहे जश्मदीन रामगोपाल यादव और सुरेश यादव ने बताया कि रात 8 6.30 बजे इमलानी रोड सांकलोन चौराहे के पास एक भैंस की पड़िया से एक मोटर सायकिल टकरा गई जिस पर तीन मुस्लिम समाज के युवक सवार थे । टक्कर से पड़िया घायल हो गई थी जिसको लेकर पड़िया पालक परिवार ओर मोटर सायकिल सवारो के बीच कहासुनी चल रही थीं, इतने में उन तीनो में से किसी ने कॉल कर अन्य लोगो को बुला लिया । तीन कारों में भरकर मुस्लिम पहुंचे और उतरते ही पथराव और मारपीट कर दी रोड किनारे मकान पर तोड़फोड़ कर दी ओर मलखान यादव नाम के आदमी को कार में डालकर उठा ले गए

जिस कारण सैकड़ों की संख्या में यादव समाज के लोग सिरोंज थाने पहुंचे और जमकर उत्पाद मचाया। पुलिस के समझाने के बाद भी जब आक्रोशित लोग नहीं माने तक विधायक प्रतिनिधि रमेश यादव पूर्व जनपद अध्यक्ष हमीर सिंह यादव ओर एडिशनल एसपी प्रशांत चौबे के समझाने के बाद यादव समाज के लोग सिरोंज से थाने से हटे ।

उनको बताया गया कि अपहरण किये गए मलखान यादव को पुलिस ने अपने संरक्षण में ले लिया है और जल्द ही आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा। आक्रोशित लोग मलखान को अपने सामने लाने और आरोपियों को तत्काल पकड़ने की मांग पर अड़ गए थे।

## पुलिस ने आरोपियों को किया 24 घंटे में गिरफ्तार, आरोपियों का निकाला जुलूस

अपराध क्रमाँक 205/2026 धारा - धारा - 296(वी),115(2),191(2),191(3),190,137(2),324(4),325,3(5),125(1) बृद्धि धारा 109(1) वीएनएस घटना का विवरण - दिनांक 06.05.26 की रात करीबन 08.00 बजे पीडित मलखान सिंह यादव अपने घर के बाहर खडे थे एक मोटरसायकिल चालक ग्राम इमलानी तरफ से आ रहा था जिसने गाय को टक्कर मार दी मोटरसायकिल पर दो लोग सवार थे जो पीडित को मां बहन की गालिया देने लगे गालिया देने से मना करने पर पीडित और उसके बेटे देवेन्द्र के साथ झूमाझटकी करने लगे इसके बाद दोनो आरोपियो ने अन्य साथियो (आरोपीगण ) को फोन कर बुलाया जिसमे दो कार आई उक्त व्यक्तियो ने आकर ट्रेक्टर मे तोडफोड की ,पत्थर फेंके ,लाठी डंडे व तलवारो से मारपीट की और पीडित को अपहरण कर गाडी से ले गये । अज्ञात आरोपी कार व मोटर साईकल चालक व 11 अन्य आरोपियों के विरुद्द उक्त अपराध पंजीवद्द कर विवेचना में लिया गया।

**क्या कार्यवाही की गई-** विवेचना के दौरान 01.मोटरसायकिल रजि.न. MP40ZE7619 02. स्कार्पियो कार रजि.न.MP04CQ6398 के आधार आरोपियो की पहचान कर 1.फैजान पिता खलील खाँ उम्र 29 साल निवासी ग्राम डाबर 2.जहीर पुत्र शेरखां उम्र 42 साल निवासी ग्राम पथरिया 3.इमरान पिता खलील खाँ उम्र 35 साल निवासी डावर 4.साजिद पिता रफीक खां उम्र 26 साल निवासी ग्राम चुनिया खोह 5. अनस पुत्र अंसार खाँ उम्र 18 साल निवासी ग्राम लखार की पहचान की गई आरोपी गणों से मेमोरंडम के आधार पर पूछताछ कर अन्य आरोपियों की पहचान की गई है. जिनमें से 5 आरोपियों की गिरफ्तार माननीय न्यायालय सिरोंज में पेश किया गयो जो माननीय न्यायालय सिरोंज में पेश किया जो माननीय न्यायालय सिरोंज द्वारा आरोपियों का जेल वारंट प्राप्त होने से आरोपीगणों को लटेरी जेल में निरुदद किया गया है।

# किसानों को खाद-बीज के लिए नहीं होना चाहिए परेशान, कालाबाजारी पर होगी कड़ी कार्रवाई : प्रभारी मंत्री राकेश सिंह

**जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में खरीदी व्यवस्था, पेयजल योजनाओं, सड़कों और नल-जल कार्यों की हुई समीक्षा; तौल कांटों की जांच और किसानों को सुविधाएं देने के निर्देश**

**नर्मदापुरम।** आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने अधिकारियों को दिए। वे गुरुवार को आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जिले की कृषि व्यवस्था, गेहूं उपार्जन, पेयजल योजनाओं, नल-जल परियोजनाओं, सड़कों और ग्रामीण विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि किसानों को खाद लेने के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। कृषि विभाग अभी से पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज का भंडारण सुनिश्चित करे ताकि सीजन के दौरान किसी प्रकार की कमी की स्थिति न बने। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किसान आसानी से खाद का ऑर्डर बुक कर सकें तथा जिस किसान का नंबर जिस दिन आए, उसी दिन उसे खाद उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों ने खरीदी केंद्रों पर लंबी कतारों, अव्यवस्थित व्यवस्था और तौल कांटों में गड़बड़ी की आशंका का मुद्दा उठाया। इस पर प्रभारी मंत्री ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि सभी खरीदी केंद्रों के तौल कांटों की प्राथमिकता से जांच कराई जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार का नुकसान न हो। साथ ही खरीदी केंद्रों पर पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कई गेहूं खरीदी केंद्र किसानों से 20 से 25 किलोमीटर दूर स्थित हैं, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दूरस्थ खरीदी केंद्रों की समीक्षा कर यदि संभव हो तो किसानों के लिए नजदीकी केंद्रों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और व्यवस्थाएं ऐसी हों जिससे उन्हें समय और परिवहन खर्च दोनों में राहत मिल सके। बैठक में जिले की पेयजल योजनाओं और नल-जल परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने विशेष रूप से खापरखेड़ी ग्राम पंचायत में हर हाल में पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जनप्रतिनिधियों और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर जल समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा। उन्होंने तिलक सिंदूर क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल अस्थाई सामुदायिक शौचालय निर्माण कराने के निर्देश भी दिए। वन विभाग को निर्देशित किया गया कि शासन से स्वीकृत सड़कों के डामरीकरण एवं मुरमीकरण कार्यों के लिए आवश्यक अनुमति शीघ्र जारी की जाए ताकि निर्माण कार्य बाधित न हों। जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण होना चाहिए और विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जानकारी दी कि जिले में जहां-जहां नल जल योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, वहां ग्राम पंचायतों को योजनाएं औपचारिक रूप से हस्तांतरित की जा रही हैं। खाद वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समितियों में अतिरिक्त काउंटर बढ़ाने की तैयारी भी की जा रही है। उप संचालक कृषि ने बैठक में बताया कि जिले में यूरिया, डीएपी, एसएसपी, एनपीके और अन्य उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। किसानों को धान, सोयाबीन, ज्वार, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, कोदो-कुटकी, रामतिल और मूंगफली सहित विभिन्न फसलों के बीज भी सहकारी समितियों के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जानकारी दी कि जिले में स्वीकृत 898 नल-जल योजनाओं में से 697 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 184 योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। नगरीय विकास विभाग ने बताया कि अमृत 2.0 योजना के तहत विभिन्न क्षेत्रों में ओवरहेड टैंक, वितरण पाइपलाइन, जल शोधन संयंत्र और अन्य जल संरचनाओं का कार्य तेजी से जारी है।

# खिरकिया ने खोया समाजसेवा का एक सशक्त स्तंभ, श्री अमरचंद मेहता का निधन

**श्वेतांबर जैन श्री संघ के पूर्व संरक्षक और समाजहितैषी व्यक्तित्व को अंतिम विदाई देने उमड़ा जनसैलाब, नगर में शोक की लहर**

**खिरकिया।** नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी, धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ नागरिक श्री अमरचंद जी मेहता का बुधवार रात्रि जयपुर में निधन हो गया। वे लगभग 85 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही खिरकिया सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

स्वर्गीय श्री मेहता श्वेतांबर जैन श्री संघ खिरकिया के पूर्व संरक्षक रहे तथा समाज सेवा और धार्मिक कार्यों में उनकी विशेष पहचान थी। वे अपने सरल स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और समाज के प्रति समर्पित भावना के कारण सभी वर्गों में सम्मानित थे। उन्होंने जीवनभर सामाजिक एकता, धार्मिक संस्कारों और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वे स्थानीय पत्रकार एवं व्यवसायी, धर्मदास गण परिषद के राष्ट्रीय मंत्री तथा श्वेतांबर जैन श्री संघ खिरकिया के सचिव राजेश मेहता के पिता थे। इसके अलावा जयपुर के प्रसिद्ध बिल्डर धर्मेंद्र मेहता के भी वे पिता थे। परिवार और समाज में उनकी छवि एक मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्त्रोत के रूप में रही।

उनका अंतिम संस्कार खिरकिया के मुक्तिधाम में पूर्ण धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। अंतिम यात्रा में नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, पत्रकारों एवं जैन समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। नगर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों ने श्री अमरचंद जी मेहता के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

भोपाल, 74 बंगलों और मालवीय नगर में एमपीईबी ने सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक बंगलो सी 2, मंत्री आवास से पेड़ों की कटाई के लिए शट डाउन कर दिया।

जालम सिंह पटेलः रात्रि में तिरुपति आंध्रप्रदेश में भतीजे प्रबल का शुभ विवाह समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे। ईश्वर से नवविवाहित युगल के सुखमय, समृद्ध एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना करता हूँ।

# 9.09 लाख किसानों से 53.40 लाख मीट्रिक टन गेहूं का हुआ उपार्जन

**भोपाल।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 9 लाख 9 हजार किसानों से 53 लाख 40 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अभी तक 14 लाख 81 हजार किसानों द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कराए गए हैं। किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि किसानों को 9525.70 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाए आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके, इस हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं के फोटो ग्राफ्स भारत सरकार के [illegible]पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है।

# उपयोगित जल प्रबंधन में आधुनिक एवं प्रकृति आधारित तकनीकों का होगा समावेशः आयुक्त भोंडवे

## उपयोगित जल प्रबंधन कार्यशाला का हुआ आयोजन

**भोपाल।** आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि सीवरेज प्रबंधन के लिए एसबीआर और बायोनेस्ट जैसी अत्याधुनिक एवं सक्षम तकनीकों का समावेश उपयोगित जल प्रबंधन के लिए अत्यंत लाभदायक हैं। कम लागत वाली टिकाऊ प्रणालियों के माध्यम से मलजल शोधन संयंत्रों से निकलने वाले उपचारित जल का अनिवार्य रूप से पुनरुपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए । उन्होंने कहा कि नगरों की स्वच्छता और समग्र सौंदर्य के लिए नाला टैपिंग की भूमिका अत्यंत प्रासंगिक है, उच्च तकनीक और प्रकृति के सामंजस्य से इस क्षेत्र में प्रगति करना विभाग का प्राथमिक ध्येय है। उन्होंने संयंत्र परिसरों में वायु और पर्यावरण शुद्धि के लिए पीपल जैसे प्राकृतिक शोधक पौधों के रोपण तथा प्रकृति आधारित तकनीकों को अपनाने पर भी विशेष बल दिया। आयुक्त श्री भोंडवे ने निर्देश दिए कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और इससे जुड़े विभिन्न तकनीकी घटकों की डिजाइन एवं ड्रॉइंग संबंधी विषयों का त्वरित और दक्षतापूर्ण समाधान किया जाए। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत प्रदेश के नगरों को पर्यावरण के अनुकूल और पूर्णतः स्वच्छ बनाने की दिशा में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा होटल पलाश में उपयोगित जल प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। अपर आयुक्त शिशिर गेमावत ने कहा कि मध्यप्रदेश स्वच्छ भारत मिशन के विविध सोपानों पर सराहनीय और अनुकरणीय कार्य कर रहा है। उन्होंने उपयोगित जल प्रबंधन की परिकल्पना को मूर्त रूप देने के लिए निर्माण की डिजाइन और ड्रॉइंग की सटीकता को अत्यंत आवश्यक बताया। नगरीय निकायों की तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के ध्येय से ही इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है, जिसमें विषय-विशेषज्ञों के साथ एक प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर गहन विमर्श किया जा रहा है। प्रमुख अभियंता श्री प्रदीप मिश्रा ने कहा कि मलजल शोधन संयंत्र से प्रवाहित होने वाले जल की शुद्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखना अपरिहार्य है, जिससे उपयोगित जल प्रबंधन का मूल उद्देश्य अपनी सार्थकता को प्राप्त कर सके। तकनीकी सत्रों में वैज्ञानिक एवं विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर राजेश विनिवाल ने उपयोगित जल प्रबंधन के सूक्ष्म पहलुओं पर अपना सारगर्भित प्रस्तुतीकरण दिया। कार्तिकेय तिवारी ने ÷पॉल्यूटेड नाला टू क्लीन वॉटर÷ (प्रदूषित नाले से स्वच्छ जल तक) विषय पर नवीन तकनीकें साझा कीं। कार्यशाला में 136 नगरीय निकायों के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा इंटरसेप्शन एवं डाइवर्जन से जुड़े विविध घटकों की रूपरेखा पर व्यापक मंथन किया गया।

## संपादकीय

### पश्चिम एशिया का तनाव बना वैश्विक संकट तेल, महंगाई और बाजारों पर बढ़ता दबाव

पश्चिम एशिया में युद्ध और उससे उपजे तनाव के कारण न केवल इसमें शामिल पक्षों के रणनीतिक मोर्चे पर, बल्कि इसके असर की वजह से दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर उथल-पुथल मची हुई है। तेल और गैस की कीमतों में उछाल से ज्यादातर देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ईंधन के लिए मध्यपूर्व के देशों पर निर्भरता के कारण आयात पर बढ़ रहे खर्च को संभालना इस समय कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है। सबसे बड़ा संकट यह है कि ईरान और अमेरिका के बीच गतिरोध के कारण वैश्विक अस्थिरता और इससे उपजी समस्या जटिल होती जा रही है। नतीजा यह कि इसका असर कई देशों पर पड़ा है। अनिश्चितता की वजह से एक ओर शेयर बाजार में अक्सर भारी गिरावट देखी जा रही है और उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है, वहीं सोने-चांदी के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। इससे निवेशक आशंका में डूबे हैं और वे सुरक्षित निवेश के विकल्पों की ओर देख रहे हैं। जहां तक भारत का सवाल है, तो यहां की अर्थव्यवस्था पर फिलहाल कोई बड़ा असर तो नहीं दिख रहा है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में देश में तेल और गैस की किल्लत के समांतर औद्योगिक उत्पादन में कमी चिंता का विषय है। विकास की रफ्तार पर इसका कितना असर पड़ेगा, इसका आकलन शायद बाद में आए, लेकिन आम आदमी के लिए मुश्किलें गहराने की ही आशंका है। अनिश्चितता भरे इस माहौल के बीच तेल आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान का प्रभाव दिखाई दे रहा है। फिलहाल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक स्थिति में है। अलग-अलग स्तर पर जारी भू-राजनीतिक संघर्ष का असर कितने स्तर पर पड़ेगा, अभी इसका स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि इतना तय है कि पहले ही महंगाई और क्रयशक्ति में कमी से परेशान आम लोगों पर दबाव बढ़ेगा। जिन देशों का वित्तीय ढांचा मजबूत है और ऊर्जा के विकल्प मौजूद हैं, वहां शायद स्थिति नियंत्रण में रहे, लेकिन जो देश इस मामले में बाहर से आपूर्ति पर निर्भर हैं, उनके लिए चुनौतियां गहरी होंगी। जरूरत इस बात की है कि वैश्विक पैमाने पर आर्थिक मोर्चे पर हो रहे व्यापक नुकसानों के मद्देनजर युद्ध और तनाव जैसे हालात को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य स्तर पर ठोस पहल हो। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश का चुनाव खत्म होते ही कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा हुआ है। सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी हृक्ष ने जानकारी दी है कि शुक्रवार से कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 993 रुपये का इजाफा होने जा रहा है। अब राजधानी नई दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 3071.50 रुपये हो जाएंगी। हालांकि अच्छी बात यह है कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर के दाम में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

# बंगाल में निर्ममता की हार, तुष्टिकरण पर प्रहार और विकास की बयार

-प्रेम शुक्ल

पश्चिम बंगाल के जनादेश ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्णायक, प्रभावी और परिणाम देने वाले नेतृत्व पर अडिग विश्वास रखती है। यह भरोसा किसी भावनात्मक लहर का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से दिख रहे सुशासन, पारदर्शिता और निरंतर विकास की ठोस बुनियाद पर खड़ा है। यह केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि बंगाल की जनता के भीतर वर्षों से पनप रहे आक्रोश, पीड़ा और बदलाव की आकांक्षा का सशक्त विस्फोट है। इस जनादेश में साफ दिखता है कि जनता ने भय की राजनीति को नकारते हुए भरोसे को अपनाया, तुष्टिकरण को ठुकराकर विकास को चुना और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होकर सुशासन को प्राथमिकता दी। बंगाल में यह जीत वास्तव में जनता की जीत है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में चल रहे टोलाबाजी, सिंडिकेट राज, भ्रष्टाचार, राजनीतिक हिंसा और खुले तुष्टिकरण के खिलाफ जनता लंबे समय से सड़कों पर थी। हर वर्ग, चाहे वह किसान हो, युवा हो, महिला हो या व्यापारी, सबने इस व्यवस्था के खिलाफ मन बना लिया था।

पिछले वर्षों में पश्चिम बंगाल में जिस तरह से हिन्दू समाज के साथ भेदभाव हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है। तुष्टिकरण की राजनीति ने सामाजिक संतुलन को बिगाड़ा और अवैध घुसपैठ को प्रोत्साहन देकर राज्य की पहचान और सुरक्षा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए गए। हालात ऐसे बन गए थे कि कई इलाकों में हिन्दू समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया गया। चुनाव के समय उन्हें वोट डालने तक से रोका गया, डराया-धमकाया गया। यह लोकतंत्र का अपमान था, लेकिन इस बार जनता ने इन सबका जवाब दिया है। ममता बनर्जी की हताशा चुनाव से पहले ही दिखने लगी थी। एक भ्रष्ट निजी कंपनी को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना, मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की उपस्थिति का विरोध करना, ये सभी कदम इस बात के संकेत थे कि उन्हें अपनी हार का अंदाजा हो चुका था। लेकिन लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और जनता ने अपना फैसला स्पष्ट रूप से सुना दिया। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाती है कि देश की जनता आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर अटूट विश्वास रखती है। पिछले 12 वर्षों में केंद्र में भाजपा की सरकार ने जिस तरह से विकास और सुशासन का मॉडल प्रस्तुत किया है, उसका असर हर राज्य में दिख रहा है। जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां न केवल विकास हुआ है बल्कि जनता ने बार-बार उस पर मुहर लगाई है। असम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनना और वह भी पहले से अधिक, लगभग तीन-चौथाई बहुमत के साथ, यह बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राज्य सरकारों ने विकास के नए मानक स्थापित किए हैं। असम में बुनियादी ढांचे से लेकर कानून-व्यवस्था तक हर क्षेत्र में सुधार हुआ है, जिसका परिणाम जनता के विश्वास के रूप में सामने आया है। इन विधानसभा चुनावों में विपक्ष पूरी तरह से बिखरा हुआ नजर आया। राहुल गांधी एक बार फिर इस चुनाव में असफल नेता के रूप में सामने आए हैं। वह न तो इंडी गठबंधन को एकजुट रख पाए और न ही जनता के बीच कोई विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत कर पाए। चुनाव परिणामों के समय उनका विदेश में होना यह दर्शाता है कि वह इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने के लिए तैयार ही नहीं हैं। इंडी गठबंधन अब केवल नाम का गठबंधन रह गया है, जिसका भविष्य अंधकारमय दिखता है। तमिलनाडु में वर्षों से जो लोग सनातन संस्कृति का अपमान करते आए, जिन्होंने हिन्दू आस्थाओं को निशाना बनाया, दीपम जैसे धार्मिक आयोजनों में बाधाएं डालीं और धर्म-भाषा के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश की। जनता ने उन्हें भी करारा जवाब दिया है। सनातन संस्कृति की तुलना डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से करने वाली मानसिकता को जनता ने नकार दिया है। यह बदलाव धीरे-धीरे ही सही, लेकिन स्थायी रूप से उभर रहा है। पुडुचेरी में भी भाजपा के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। भले ही यह प्रतिशत में कम दिखे, लेकिन यह संकेत स्पष्ट है कि दक्षिण भारत में भी भाजपा अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी वैचारिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। केरल में भी भाजपा का आधार लगातार मजबूत हो रहा है। भले ही अभी वहां सत्ता तक पहुंचने में समय लगे, लेकिन जनता के बीच वैचारिक परिवर्तन साफ दिखाई दे रहा है। यह दर्शाता है कि देश का हर कोना अब विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति की ओर बढ़ रहा है। बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत के पीछे भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं का संघर्ष और बलिदान छिपा हुआ है। पिछले कई वर्षों में, खासकर पिछले विधानसभा चुनाव के बाद, भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस तरह की हिंसा और उत्पीड़न का सामना किया, वह अभूतपूर्व था।

# श्यामा बाबू के संकल्प की जीत, विवेकानंद के विचारों की प्रीतिः बंगाल में राष्ट्रवाद का नया सूर्योदय

-भारत भूषण अरजरिया

बंगाल केवल एक भौगोलिक भूभाग नहीं है, बल्कि यह वह विचार है जिसने आधुनिक भारत की आधारशिला रखी। आज का दिन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होने वाला है, क्योंकि यह मात्र एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उस माटी की अपनी जड़ों की ओर वापसी है, जिसने कभी %वंदे मातरम्% के उद्घोष से पूरे आर्यावर्त को जगाया था। यह जीत उस संकल्प की सिद्धि है जो दशकों से बंगाल की गलियों में मौन था, किंतु मरा नहीं था। आज जब बंगाल में राष्ट्रवाद का भगवा ध्वज लहरा रहा है, तो ऐसा प्रतीत होता है कि गंगासागर की लहरें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उन बलिदानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हैं, जिन्होंने एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। यह उस विचारधारा की विजय है जो मानती है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही भारत की नियति है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है। उन्होंने उस समय बंगाल के विभाजन के संकट को समझा था और यह सुनिश्चित किया था कि बंगाल का एक हिस्सा भारतीय संस्कृति और अस्मिता के साथ सुरक्षित रहे। आज उनकी आत्मा निश्चित रूप से तृप्त हो रही होगी, क्योंकि जिस बंगाल को वैचारिक शून्यता और तुष्टीकरण की राजनीति ने जकड़ लिया था, उसने अब अपने सबसे प्रतापी पुत्र के सपनों को साकार करने का मार्ग चुन लिया है। यह जीत बताती है कि समय कितना भी क्यों न बदल जाए, सत्य और राष्ट्रवाद की धारा कभी सूखती नहीं है; वह बस सही समय की प्रतीक्षा करती है। बंगाल ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि वह अपनी गौरवशाली विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए तत्पर है।

इस परिवर्तन की गहराई को समझने के लिए हमें स्वामी विवेकानंद के उन संदेशों को स्मरण करना होगा, जिन्होंने विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक श्रेष्ठता को स्थापित किया था। संघ और उससे प्रेरित सभी समवैचारिक संगठनों के लिए विवेकानंद केवल एक पथ-प्रदर्शक नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा था कि उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। बंगाल की जनता ने आज उसी मंत्र को आत्मसात किया है। दशकों की राजनीतिक हिंसा, वैचारिक दमन और सांस्कृतिक विस्मृति के बाद, बंगाल की चेतना जागृत हुई है। यह उस %सिंह-गर्जना% की गूंज है जिसने कभी शिकागो के मंच से दुनिया को हिला दिया था। आज विवेकानंद की उस कर्मठता और आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की विजय हुई है, जो समावेशी भी है और अजेय भी।

गंगोत्री से गंगासागर तक शुरू हुई यह संकल्प यात्रा अब अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है। जिस प्रकार गंगा नदी हिमालय की दुर्गम चोटियों को चीरते हुए मैदानों को सींचती है और अंततः बंगाल की खाड़ी में जाकर सागर से एकाकार हो जाती है, उसी प्रकार राष्ट्रवाद की यह लहर उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए आज बंगाल के हृदय में समा गई है। यह यात्रा केवल सत्ता के परिवर्तन की नहीं, बल्कि व्यवस्था के परिवर्तन और विचारों के शुद्धिकरण की यात्रा है। वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जिस भारत माता की कल्पना की थी, वह सुजलाम-सुफलाम होने के साथ-साथ शक्तिस्वरूपा भी थी। आज बंगाल ने उसी शक्ति की आराधना की है और दिखा दिया है कि माँ भारती के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

बंगाल के इस ऐतिहासिक जनादेश के पीछे उन अनगिनत कार्यकर्ताओं का लहू और पसीना है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रवाद का दीप जलाए रखा। यह उन बलिदानियों को नमन करने का दिन है जिन्होंने अपनी आँखों में %सोनार बांग्ला% का सपना संजोया था—एक ऐसा बंगाल जो सांप्रदायिकता से मुक्त हो, जहाँ विकास की धारा अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और जहाँ दुर्गा पूजा का शंखनाद बिना किसी भय के सुनाई दे। आज की यह जीत बंगाल की उस महान परंपरा का सम्मान है जिसमें चैतन्य महाप्रभु की भक्ति, सुभाष चंद्र बोस का शौर्य और रवींद्रनाथ टैगोर की लेखनी का प्रभाव समाहित है। यह जीत घोषणा करती है कि बंगाल अब केवल पीछे मुड़कर नहीं देखेगा, बल्कि नए भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

यह ऐतिहासिक दिन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि विचारधारा की जड़ें यदि सत्य में हों, तो उसे कोई भी दमनकारी शक्ति मिटा नहीं सकती। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के %सांस्कृतिक राष्ट्रवाद% और स्वामी विवेकानंद के %मानव निर्माण% के संकल्प ने आज बंगाल की भूमि पर एक नए युग का सूत्रपात किया है। यह जीत केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनरुत्थान है। आज बंगाल मुस्कुरा रहा है, क्योंकि उसने अपनी पहचान को पुनः प्राप्त कर लिया है। %वंदे मातरम्% का स्वर आज बंगाल के आकाश में पहले से कहीं अधिक तीव्र और स्पष्ट सुनाई दे रहा है, जो पूरे भारत को यह संदेश दे रहा है कि राष्ट्रवाद की विजय ही शाश्वत विजय है।

# पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है। कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है। उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छूरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है।

-नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छूरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरुआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी।

# मीनोपोज के बाद के मोटापे को यूं घटाएं

मीनोपोज ( माहवारी) बंद होने के बाद बढ़ने वाला बैली फैट कई महिलाओं के लिए एक बड़ी समस्या है। ये कोई साधारण फैट नहीं है, जो डाइटिंग और योगा से कम हो जाए! इसलिए इसे जिद्दी फैट भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने इस वजह को ढूंढ निकाला है कि आखिर मीनोपोज के बाद मोटापा क्यों बढ़ता है? शोधकर्ताओं के मुताबिक, मीनोपोज के बाद एस्ट्रोजन लेवल कम होने से हिप्स और थाईज का फैट लोअर-एब्डॉमन में चला जाता है लेकिन डाइट में बदलाव करके आप शरीर का एक्सट्रा फैट घटा सकते हैं।

आमतौर पर महिलाएं बेली फैट कम करने के चक्कर में हेल्दी फैट का सेवन करना भी छोड़ देती हैं जो कि गलत है। क्या आप जानते हैं कुछ फैट ऐसे भी होते हैं जिनका सेवन बैली फैट घटाने में मदद कर सकता है। जैसे एवोकैडो, ऑलिव्स, सैल्मन मछली और कोकोनट ऑयल। अध्ययन से पता चला है कि एक महीने के लिए हर सप्ताह तीन बार 28 ग्राम साल्मन मछली खाने से लगभग एक किलो से अधिक वजन घटाया जा सकता है। ऐप्पल साइडर विनेगर (सिरका) आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। सिरका में शामिल एसिडिक एसिड प्रोटीन वजन कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ग्रीन स्मूदी भी आपका बैली फैट घटाने में मददगार हो सकती है।

## ये हैं डैंड्रफ को दूर करने के उपाय

अधिकतर महिलाएं डैंड्रफ की समस्या से परेशान रहती हैं। इससे स्कैल्प में सफेद रंग की पपड़ी जमने लगती है। डैंड्रफ के कारण सिर में खुजली भी होने लगती है। बहुत अधि?क खुजली करने से सिर में घाव बन जाते हैं। साथ ही बालों की जड़ें भी कमजोर हो जाती है। कुछ खास उपायों की सहायता से आप डैंड्रफ की इस समस्या से राहत पा सकती हैं।

डैंड्रफ की समस्या को दूर करने के लिए जरूरी है कि आप नियमित रूप से बालों में कंघी करें। इससे बालों की जड़ों से ज्यादा तेल निकलता है। इसके अलावा बालों में कंघी करने से बालों की ग्रोथ भी बढ़ती है।

डैंड्रफ में अच्छी क्वालिटी के शैंपू का ही इस्तेमाल करें। ऐसे हेयर प्रोड्क्ट का इस्तेमाल करें जिसमें जिंक पाइरिथियन मौजूद होता है। ये डेंड्रफ को दूर करने में कारगर साबित होता है।

एलोवेरा के रस से बालों की मसाज करें और एक घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें। ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। नारियल के तेल में कपूर मिलाकर रख लें। नहाने से आधे घंटे पहले इससे बालों की मसाज करें। नियमित रूप से ऐसा करने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाएगी। अपने बालों को रोजाना अच्छी क्वालिटी के एंटी-डैंड्रफ शैंपू से धोएं। इससे डैंड्रफ की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाती है। एक ग?लास पानी में चार बड़े चम्मच बेसन मिलाकर पेस्ट बना लें और इसे बालों में लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर बाल धो लें।

## मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो

शादियों का सीजन चल रहा हैं, ऐसे में मेहंदी के बिना श्रृंगार पूरा नहीं होता। मेहंदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेहंदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेहंदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी

मेहंदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेहंदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है।

नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेहंदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेहंदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है।

मेहंदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेहंदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

# इस कारण होता है मोतियाबिंद

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है।

हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है, जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है, अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

### मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

### यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

### मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

# सेहतमंद रहने के लिए सुधारें कुछ आदतें

### दिन में सपने देखना

दिन में सपना देखने को अक्सर लोग बुरा मानत हैं। जबकि एक शोध में ये बुरी नहीं बल्कि एक अच्छी आदत मानी गई है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त तेज होती है। वो ना सिर्फ फुर्तीले होते हैं बल्कि काफी बुद्धिमान भी होते हैं। दिन में सपने देखने वाले लोगों की याददाश्त बेहतर होती है, एकाग्रता अधिक रहती है और मल्टीटास्किंग में आसानी होती है।

कुछ ऐसी आदतें भी होती हैं जिन्हें आमतौर पर अच्छा नहीं माना जाता पर इनके साथ भी आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। जैसे कि कॉफी की कम मात्रा सेहत के लिए अच्छीर हो सकती है, लेकिन अधिक कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छो नहीं माना जाता। दिनभर में तकरीबन तीन कॉफी पीने से पित्त की पथरी का खतरा कम होता है। किडनी स्टोन के होने का खतरा भी नहीं रहता। इसके अलावा अगर आपका भी मूड खराब है तो आप कॉफी का एक कप जरूर लें। कॉफी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके मूड को ठीक करने में मदद करते हैं।

### चॉकलेट के फायदे

अधिकतर लोग चॉकलेट को जंक फूड मानते हैं इसीलिए रोजाना चाकलेट खाने से बचते हैं पर ऐसा नहीं है, चॉकलेट खाना बुरा नहीं है। रिसर्च के मुताबिक, चॉकलेट सिर्फ आपको मीठा खाने की संतुष्टि ही नहीं देता बल्कि ये दिल की बीमारियों से भी बचाता है। खासतौर पर डार्क चॉकलेट। साथ ही यह निम्न रक्तचाप को भी संतुलित करता है। एक अन्य रिसर्च के मुताबिक, जो लोग अधिक चॉकलेट खाते हैं उन्हें स्ट्रोक का खतरा भी कम होता है।

### गॉसिपिंग से भी है लाभ

गॉसिप करना सेहत के लिए बहुत अच्छां होता है। गॉसिपिंग के दौरान बॉडी से फील गुड हार्मोन रिलीज होता है जो कि तनाव और एंजाइटी से मुक्त करने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑफिस में गॉसिपिंग सेफ्टी वॉल्व की तरह होती है, जिससे आप अपने दिल की बात बाहर निकाल सकते हैं।

# नींद की कमी से बढ़ जाता है कई बिमारियों का खतरा

रात में गहरी नींद सोने से सुबह हम तरोताजा महसूस करने के साथ ही स्वस्थ भी रहते हैं। वहीं नींद की कमी से कई बिमारियों को खतरा बढ़ जाता है। यह देखा गया है कि कई बार नींद नहीं आती या अगर आप रात के समय कम सोते हैं और सोने के बाद बार-बार आपकी नींद खुल जाती है, तो सावधान हो जाएं क्योंकि एक अध्ययन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि यह आपके याद रखने की क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर सकती है।

ना केवल मानसिक, बल्कि यह शारीरिक सेहत के लिए भी ठीक नहीं है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि इससे डिमेंशिया बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

एक किताब में कुछ ऐसा ही दावा किया गया है.

किताब को लिखने वाले न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि सोने के दौरान हमारा मस्तिनष्क बहुत से काम करता है. जैसे कि यादों को संचित करने और उन्हें संभालने जैसे काम करता है।

डिमेंशिया एक ऐसी बामारी है, जिसमें आप चीजों को भूलने लगते हैं, आप का मूड बदलने लगता है, काम में आपका मन नहीं लगता और साथ ही आप चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

कम नींद आपके दिमाग पर बुरा असर डालती है, जिसके चलते व्यक्ति में सोचने-समझने जैसी संज्ञानात्मक क्षमता के साथ चीजों को याद रखने की क्षमता भी कम होने लगती है।

एक अध्ययन में यह भी सामने आया कि कम नींद की वजह से कैंसर होने की आशंका भी बढ़ जाती है।

इन बीमारियों से बचने

सोने का एक समय बनाएं

हर दिन एक ही समय पर सोएं और उसी समय के अनुसार उठें। इस तरह से अपका दिमाग एक समय पर सोने और उठने का आदि हो जाएगा और आपकी नींद अच्छी होने लगेगी।

देर रात खाने से बचें

रात में सोने से लगभग 3 घंटे पहले तक कुछ ना खाएं क्योंकि देर रात खाते ही लेट जाने से खाना डाइजेस्ट नहीं हो पाता, जिस कारण सोने के बाद बार-बार आपकी आंख खुलती रहती है और आप सुकुन की नींद नहीं ले पाते।

सोते समय लाइट्स बंद रखें

रोशनी का हमारे नींद पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए सोने से पहले सभी लाइट्स को जरुर बंद करें. क्योंकि अंधेरे में नींद अच्छी आती है।

दोपहर में ना सोएं।

जिन लोगों को रात के समय ठीक से नींद नही आती वो लोग दोपहर में कभी ना सोएं।

### इस प्रकार लंबे समय तक चलेंगे ब्यूटी प्रोडक्ट

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें।

डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं।

लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

### ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर सैनिक सम्मान की अभिनव पहल

# सेवारत सैनिकों के लिए जिला प्रशासन का संवेदनशील कदम हेलो सीधी-जय जवान शुरू

**अब सैनिकों की समस्याओं का होगा समयबद्ध समाधान**

**सैनिकों के सम्मान और सेवा के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध**

**सीधी।** जिला प्रशासन सीधी द्वारा सेवारत सैनिकों के सम्मान, सुविधा और समस्याओं के त्वरित निराकरण को प्राथमिकता देते हुए हेलो सीधी - जय जवान नामक एक अभिनव एवं जनहितैषी पहल की शुरुआत की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य देश की सेवा में समर्पित सैनिकों को एक ऐसी सरल, पारदर्शी और प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध कराना है, जिसके माध्यम से वे अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुंचा सकें और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके।

उक्त पहल के संबंध में आयोजित मीडिया ब्रीफिंग में कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर सैनिकों के सम्मान एवं उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से यह विशेष पहल प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले सैनिकों एवं उनके परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा।

मीडिया ब्रीफिंग के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ग्रुप कैप्टन श्री सिद्धार्थ श्रीवास्तव सहित सेवा निवृत्त पूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे। उपस्थित पूर्व सैनिकों ने जिला प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे सैनिक हित में एक सकारात्मक एवं महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में वीर शहीद ग्रेनेडियर श्री ताम्रध्वज सिंह की धर्मपत्नी वीर नारी श्रीमती सुनीता सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने हेलो सीधी - जय जवान पहल की जानकारी सेना में सेवारत अपने पुत्र श्री सचिन सिंह को भी दी। इस पर श्री सचिन सिंह ने जिला प्रशासन, सीधी द्वारा सैनिकों एवं उनके परिवारों के हित में शुरू की गई इस संवेदनशील एवं सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे जवानों के लिए उपयोगी और विश्वास बढ़ाने वाला कदम बताया।

इस व्यवस्था के अंतर्गत सैनिक अपनी शिकायतें एवं समस्याएं हेल्पलाइन/व्हाट्सएप नंबर 8103550045 अथवा जिला प्रशासन की वेबसाइट `पकीपण्दपबण्पद के माध्यम से दर्ज करा सकेंगे। वेबसाइट सेवा 24म7 उपलब्ध रहेगी, जबकि हेल्पलाइन एवं व्हाट्सएप सेवा प्रत्येक कार्य दिवस में प्रात: 11 बजे से सायं 04 बजे तक संचालित रहेगी। प्राप्त शिकायतों को जिला स्तर पर डिजिटल अथवा रजिस्टर प्रणाली में दर्ज किया जाएगा तथा प्रत्येक शिकायत को एक यूनिक रजिस्ट्रेशन नंबर प्रदान किया जाएगा, जिससे शिकायत की निगरानी और ट्रैकिंग आसान हो सके। साथ ही शिकायतों का वर्गीकरण कर उन्हें संबंधित विभागों को समय सीमा के साथ अग्रेषित किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने इस पहल के अंतर्गत समयबद्ध सेवा व्यवस्था सुनिश्चित की है। शिकायत प्राप्त होने के बाद 04 कार्य दिवस के भीतर उसकी पुष्टि की जाएगी तथा अगले 06 कार्य दिवस के भीतर समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। जटिल अथवा बहु-विभागीय मामलों की जिला स्तर पर समीक्षा कर त्वरित निराकरण किया जाएगा।

हेलो सीधी - जय जवान पहल के तहत शिकायतों की निरंतर मॉनिटरिंग एवं फॉलो-अप किया जाएगा। लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही शिकायतकर्ता सैनिक को समाधान की स्थिति से समय-समय पर अवगत कराया जाएगा एवं निराकरण के पश्चात उनका फीडबैक भी प्राप्त किया जाएगा।

जिला प्रशासन सीधी ने इस पहल को सैनिकों के सम्मान और सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया है। प्रशासन का उद्देश्य है कि देश की रक्षा में लगे सैनिकों को स्थानीय स्तर पर किसी प्रकार की प्रशासनिक कठिनाई का सामना न करना पड़े तथा उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ समाधान हो।

सैनिकों का सम्मान, प्रशासन का अभिमान की भावना के साथ जिला प्रशासन, सीधी इस पहल को प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध व्यवस्था के रूप में लागू करने के लिए संकल्पित है।

## दुआरी, कोचिटा, उमरिहा एवं खुटेली में 9 मई को लगेंगे विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

**सीधी।** जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से 09 मई 2026 को विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार 09 मई को प्रात: 09 बजे से दोपहर 01 बजे तक जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों की चयनित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें धौहनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत दुआरी, सीधी विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचिटा, चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिहा तथा सिहावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत खुटेली शामिल हैं। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार परामर्श एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सामाजिक न्याय विभाग तथा आयुष विभाग की संयुक्त भागीदारी रहेगी, जिससे लोगों को समेकित एवं बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। शिविरों के संचालन हेतु संबंधित क्षेत्रों के सीडीपीओ एवं बीएमओ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निर्देशानुसार शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन अथवा अन्य उपलब्ध शासकीय भवनों में किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके तहत ग्राम पंचायतों में मुनादी कराई जाएगी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणजन इन शिविरों का लाभ उठा सकें। शिविर में आने वाले नागरिकों को आधार कार्ड एवं समग्र आईडी साथ लाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने का भी प्रयास किया जाएगा।

## नशामुक्त समाज, स्वस्थ भविष्य-रेडक्रॉस स्थापना दिवस पर निकली जागरूकता रैली

**सांसद ने किया आह्वान-नशे से दूर रहकर ही संभव है स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन**

**सीधी।** रेडक्रॉस सोसायटी स्थापना दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर से सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण विभाग तथा रेडक्रॉस सोसायटी सीधी के संयुक्त तत्वावधान में भव्य नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकसभा सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रेडक्रॉस सोसायटी शाखा मध्यप्रदेश के निर्देशन आयोजित इस रैली का उद्देश्य समाज विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं,

बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर ही एक स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा जनजागरूकता फैलाने की अपील की। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संदेशों से युक्त तख्तियां एवं बैनर लेकर नशामुक्ति का संदेश दिया। नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, स्वस्थ युवा, सशक्त भारत जैसे नारों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी सीधी के सचिव श्री कृष्णकांत द्विवेदी, सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री धनंजय मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मनोज सिंह परिहार, डॉ. अरविंद सोनी, श्री संजय सोनी, सामाजिक न्याय विभाग से श्री सीपी तिवारी, श्री दीपक त्रिपाठी, श्री शिवांशु शुक्ला, श्री अरविंद शुक्ला, श्री अमित प्रधान सहित स्वास्थ्य विभाग का समस्त स्टाफ, रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यगण, सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

## जनगणना कार्य में लापरवाही पर प्रगणक को नोटिस

**सीधी।** कलेक्टर श्री विकास मिश्रा द्वारा जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर धर्मजीत सिंह, प्राथमिक शिक्षक, प्राथमिक शाला मोर्चा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें तहसील गोपद बनास अंतर्गत मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रमांक 0079 मोर्चा हेतु प्रगणक नियुक्त किया गया था, लेकिन उन्होंने नियुक्ति आदेश लेने से इंकार कर दिया तथा नोटिस जारी होने के बाद भी जवाब प्रस्तुत नहीं किया। कलेक्टर ने बताया कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना कार्य में सहयोग करना विधिक रूप से अनिवार्य है। संबंधित प्रगणक को 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

## सांसद ने किया मोहनिया मार्ग का भूमिपूजन, 25 गांवों को मिलेगा लाभ

**मोहनिया पहुंच मार्ग निर्माण से क्षेत्र में बढ़ेगी कनेक्टिविटी और विकास गतिविधियां**

**सीधी।** जिले के चुरहट विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहनिया में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा एनएच-39 से मोहनिया पहुंच मार्ग निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया गया। क्षेत्रीय विकास एवं बेहतर सड़क संपर्क की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। प्रस्तावित मार्ग लगभग 1 किलोमीटर लंबा है, जिसके निर्माण पर लगभग 562 लाख रुपये की लागत अनुमानित है।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के निर्माण

से न केवल ग्राम मोहनिया एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि पुराना एनएच मार्ग भी पुन: सुचारू रूप से सक्रिय हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग रीवा-सीधी टनल मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित करेगा, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र के लगभग 25 गांवों के लोगों को सीधे लाभ प्राप्त होगा तथा यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित एवं समयबद्ध हो सकेगी। सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होता है। सड़क निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री शरदेंदु तिवारी, वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, श्री रजनीश शुक्ला, श्री ओपी सिंह सहित गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई कि मार्ग निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन की समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी और विकास गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

## जनगणना कार्य में लापरवाही पर 09 चार्ज अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

**सीधी।** जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री विकास मिश्रा द्वारा 09 चार्ज अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाना निर्धारित है। चार्ज स्तर पर की गई समीक्षा एवं दिनांक 05 मई 2026 को पोर्टल के अवलोकन के दौरान यह पाया गया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा लक्ष्य के अनुरूप एचएलबी (हाउस लिस्टिंग एवं बिल्डिंग) कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, जो अत्यंत खेदजनक स्थिति है।

इस संबंध में प्रभात बरकड़े मुख्य नगर पालिका चार्ज मझौली; जयप्रकाश पाण्डेय तहसीलदार चार्ज सिहावल; साक्षी गौतम तहसीलदार चार्ज चुरहट; इन्द्रभान सिंह तहसीलदार चार्ज बहरी; नारायण सिंह तहसीलदार चार्ज कुसमी; राकेश कुमार शुक्ल तहसीलदार चार्ज गोपद बनास; रामावतार पटेल मुख्य नगर पालिका चार्ज चुरहट नगर पंचायत; आशीष कुमार मिश्र तहसीलदार चार्ज रामपुर नैकिन एवं दिलीप सिंह तहसीलदार चार्ज मझौली को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आज ही शाम तक अनिवार्य रूप से समस्त एचएलबी क्षेत्रों में मकान सूचीकरण कार्य प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए हैं कि यदि निर्धारित समय सीमा में कार्य प्रारंभ नहीं कराया जाता है, तो संबंधित अधिकारी अपना प्रतिवेदन एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें कि उनके विरुद्ध दो वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई क्यों न की जाए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देश में स्पष्ट किया है कि नियत अवधि में जवाब प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्य को गंभीरता, जवाबदेही एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करें, ताकि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

## समाप्त हो चुके लीज पट्टों के नवीनीकरण हेतु आवेदन आमंत्रित

**सीधी।** नजूल अधिकारी सीधी ने सर्व संबंधितों को सूचित किया है कि नजूल कार्यालय द्वारा समय-समय पर जारी किए गए स्थायी लीज पट्टों, जिनकी वैधता समाप्त हो चुकी है अथवा समाप्त होने की स्थिति में है, उनके विधिसम्मत नवीनीकरण की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सभी लीज/पट्टाधारियों से आग्रह किया गया है कि वे नवीनीकरण हेतु अपना आवेदन पत्र मूल पट्टा अभिलेख सहित तीन दिवस के भीतर कार्यालय नजूल अधिकारी, सीधी में प्रस्तुत करें।

## जनगणना कार्य से इंकार करने पर प्रगणक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

**सीधी।** तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी जनगणना तहसील गोपद बनास द्वारा जनगणना कार्य में सहयोग न करने पर एक प्रगणक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। जारी सूचना के अनुसार भारत की राष्ट्रीय जनगणना-2027 अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के लिए अजय मिश्रा, उच्च माध्यमिक शिक्षक, शासकीय हाई स्कूल उपनी को मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रमांक 0060 बौड़हा हेतु प्रगणक नियुक्त किया गया था। आरोप है कि संबंधित कर्मचारी द्वारा जनगणना कार्य करने से इंकार किया गया, जिससे राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य के प्रभावित होने की स्थिति निर्मित हुई। सूचना पत्र में उल्लेख किया गया है कि जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 5 एवं 11 के अंतर्गत जनगणना कार्य में सहयोग करना विधिक दायित्व है तथा इससे इंकार करना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। संबंधित कर्मचारी को 24 घंटे के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने अथवा निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत नहीं करने की स्थिति में जनगणना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

## जनगणना कार्य में लापरवाही पर संविदा शिक्षक निलंबित

**सीधी।** कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने जनगणना-2027 के कार्य में लापरवाही बरतने पर संविदा शाला शिक्षक श्री प्रदीप कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

## विद्युत पेंशनर्स संघ ने इंदौर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन की घोषणा की

**सीधी।** विद्युत पेंशनर्स एवं हित रक्षक संघ ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, इंदौर पर पेंशनर्स की समस्याओं के समाधान को लेकर उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है। संघ का कहना है कि कई बार पत्राचार के माध्यम से वार्ता के लिए अनुरोध किया गया, लेकिन कंपनी प्रबंधन द्वारा अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई। इसी के विरोध में संघ ने आगामी 20 मई 2026 को इंदौर स्थित जीपीओ/पोलो ग्राउंड में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की है। संघ के अनुसार इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में विद्युत पेंशनर्स भाग लेंगे। विंध्य एवं शहडोल संभाग के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष आर. डी. मिश्रा के मार्गदर्शन में रीवा, सीधी, सतना, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, पन्ना, छतरपुर, मऊगंज, सिंगरौली, सिरमौर, बिरसिंहपुर, पाली एवं चचाई सहित विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 100 से 125 पेंशनर्स इंदौर पहुंचकर धरने में शामिल होंगे। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान पश्चिम क्षेत्र इंदौर के प्रबंध संचालक एवं अन्य अधिकारियों के समक्ष पेंशनर्स की समस्याओं को विस्तार से रखा जाएगा। धरने के माध्यम से पेंशनर्स अपनी पीड़ा और लंबित मांगों से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग करेंगे। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद सभी कर्मचारी इसी श्रेणी में आते हैं, इसलिए वर्तमान अधिकारियों को पेंशनर्स की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

## शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने सभी विभाग मिलकर करें कार्य : रीती

**विकास कार्यों में तेजी लाने पर जोर, समीक्षा बैठक में विधायक रीती पाठक ने दिए अहम निर्देश**

**गोपाल दास मंदिर, स्टेडियम और ई-लाइब्रेरी निर्माण कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश**

**सीधी।** आमजन को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को गति देने तथा जनहित से जुड़े कार्यों को समयसीमा में पूर्ण कराने के उद्देश्य से विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सड़क निर्माण, यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण, शिक्षा एवं कानून व्यवस्था सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विधायक श्रीमती पाठक ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए गोपाल दास मंदिर एवं स्टेडियम निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराने पर जोर दिया। उन्होंने शासन स्तर पर लंबित कार्यों की जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि नगर पालिका सीधी अंतर्गत मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए तथा शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। यातायात व्यवस्था सुधारने, अतिक्रमण हटाने, वार्डों में साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा नालियों को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए गए।

विधायक श्रीमती पाठक ने ई-लाइब्रेरी निर्माण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने, अवैध कॉलोनियों को चिन्हित कर मूलभूत सुविधायुक्त व्यवस्थित कॉलोनियों के विकास की दिशा में कार्य करने तथा समयसीमा से अधिक लंबित कार्यों के ठेकेदारों के विरुद्ध ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही शहर में अवैध होर्डिंग हटाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में जल संसाधन विभाग द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों एवं उनकी लागत की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। विधायक ने रेलवे एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए भूमि अर्जन संबंधी प्रकरणों को समयसीमा में पूर्ण करने तथा निर्माण एजेंसियों द्वारा खोदे गए गड्ढों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा ऋतु में किसी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति निर्मित न हो।

गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। जल निगम द्वारा सड़कों की खुदाई के बाद मरम्मत कार्य व्यवस्थित रूप से कराने तथा बिजली विभाग को विद्युत आपूर्ति प्रभावित न हो इसके लिए केबल एवं ट्रांसफार्मरों की जांच सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने धरती आबा एवं पीएम जनमन योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा जिन घरों तक विद्युत सुविधा नहीं पहुंच पाई है, वहां सर्वे कर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग को अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने को कहा गया। विधायक श्रीमती पाठक ने नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत ड्रग्स एवं नशीली सिरप के परिवहन पर रोक लगाने तथा गांवों में अवैध रूप से हो रही शराब बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

### प्रियंका चोपड़ा ने खबर पर लगाई मुहर

# हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर के साथ नजर आएंगी देसी गर्ल

प्रियंका चोपड़ा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। हाल ही में उनकी एक सीरीज 'सिटाडेल 2' रिलीज हुई। डायरेक्टर राजामौली की मेगा बजट दक्षिण भारतीय फिल्म 'वाराणसी' भी वह कर रही हैं। अब उनके हाथ एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट और लगा है। इस फिल्म का नाम 'रीसेट' है। यह एक सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म होने वाली है।

डेडलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा को मैट स्मूकलर द्वारा निर्देशित आगामी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'रीसेट' मिली है। इस फिल्म में उनके साथ ऑरलैंडो ब्लूम को कास्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा ने भी इस खबर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और इस पर एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने रिएक्ट किया। प्रियंका चोपड़ा के फैंस ने भी इस न्यूज पर जमकर रिएक्शन दिया है।

**डेडलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा को मैट स्मूकलर द्वारा निर्देशित आगामी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म 'रीसेट' मिली है। इस फिल्म में उनके साथ ऑरलैंडो ब्लूम को कास्ट किया गया है। प्रियंका चोपड़ा ने भी इस खबर को अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और इस पर एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने रिएक्ट किया। प्रियंका चोपड़ा के फैंस ने भी इस न्यूज पर जमकर रिएक्शन दिया है।**

फिल्म 'रीसेट' की शूटिंग को लेकर भी अपडेट सामने आया है। इस फिल्म की शूटिंग अगस्त महीने में शुरू हो सकती है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म में एक्टिंग करने के साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगी। बता दें कि हॉलीवुड में देसी गर्ल एक्टिंग के अलावा प्रोडक्शन की फील्ड में भी उतर चुकी हैं।

प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी की शूटिंग करने के लिए इन दिनों भारत आती रहती हैं। इस फिल्म में उनके हीरो महेश बाबू हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल महीने में रिलीज होगी।

## कभी अपने ही बालों से थी नफरत, आज वही बनी मेरी पहचानः अनुपमा परमेश्वरन

साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने केवल अपने बेहतरीन अदाकारी ही नहीं, बल्कि घने और खूबसूरत घुंघराले बालों से भी अलग पहचान बनाई। उन्होंने बुधवार को बताया कि एक समय था जब उन्हें अपने ही बालों से बेहद चिढ़ थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने कर्ली हेयर को फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने प्रेरणादायक नोट भी लिखा, एक समय था, जब मैं अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थी। मैं उन्हें सीधा करने और बदलने के लिए हर जतन करती रहती थी। मुझे लगता था कि काश मेरे बाल भी बाकी लोगों की तरह सामान्य होते। अभिनेत्री ने बताया कि समय के साथ उनके नजरिए में बड़ा बदलाव आया। उन्होंने महसूस किया कि जो चीज उन्हें दूसरों से अलग बनाती है, वही उनकी सबसे बड़ी खूबी है। अनुपमा ने आगे लिखा, आज, ये बाल मेरी सबसे पसंदीदा चीजों में से एक हैं, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब लोग मुझसे कहते हैं कि मुझे देखकर उन्होंने भी अपने घुंघराले बालों को प्यार करना और अपनाना शुरू कर दिया है। अनुपमा परमेश्वरन ने पोस्ट के अंत में लिखा, जब आप खुद को वैसे ही अपना लेते हैं जैसे आप हैं, तो यह बहुत शक्तिशाली होता है। आपकी हिम्मत दूसरों को भी खुद से प्यार करने का हौसला देती है। अभिनेत्री तेलुगु, मलयालम और तमिल सिनेमा में नेचुरल एक्टिंग, घुंघराले बालों और क्यूट गर्ल-नेक्स्ट-डोर इमेज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने प्रेमम, कार्तिकेय 2 और टिल्लू स्क्वायर जैसी फिल्मों के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की आगामी प्रमुख फिल्म तेलुगु रोमांटिक-कॉमेडी क्रेजी कल्याणम है, जिसका निर्देशन बदरप्पा गजुला कर रहे हैं। इसके अलावा, वह प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित एक अनटाइटल्ड मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग मई 2026 में शुरू होनी है। साल 2025 अभिनेत्री के लिए काफी खास रहा। उन्होंने ड्रैगन (तमिल), किष्किंधापुरी (तेलुगु), परधा और बाइसन (तमिल) जैसी फिल्में दीं, जिन्हें दर्शकों की तरफ से काफी सराहना मिली थी। फिल्म परधा एक महिला-प्रधान तेलुगु फिल्म है, जो 22 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। प्रवीण कंद्रेगुला द्वारा निर्देशित यह एक इमोशनल रोड ड्रामा है, जिसमें अनुपमा ने सुब्बू नामक एक गांव की लड़की की भूमिका निभाई थी, जो गांव में पर्दा प्रथा की परंपराओं को तोड़ती है।

## द वार्ड से रियलिटी शो की होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना दिलैक, मातृत्व पर आधारित है शो

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा। इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा। रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं।

## अनुराग कश्यप की 'बंदर' का टीजर रिलीज, बॉबी देओल ने किया प्रभावित, फिल्म की छोटी सी झलक ने बढ़ाई उत्सुकता

अनुराग कश्यप और बॉबी देओल की आगामी फिल्म 'बंदर' का टीजर आज जारी हो गया है। फिल्म को वैश्विक स्तर पर काफी सराहना मिली है और फिल्म फेस्टिवल्स में भी फिल्म की तारीफ हुई है। अब लंबे इंतजार के बाद फिल्म भारत में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। 1 मिनट 29 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत बॉबी देओल के एक लाइव परफॉर्मेंस से होती है। जहां वो गाना गाते और परफॉर्म करते नजर आते हैं। इसके बाद बॉबी देओल को अचानक जेल हो जाती है और उनका एक अलग अंदाज देखने को मिलता है।

छोटे से टीजर में फिल्म की बाकी कास्ट की भी झलक देखने को मिलती है, जिसमें सान्या मल्होत्रा और सबा आजाद जैसे नाम शामिल हैं। फिल्म को असल घटनाओं से प्रेरित बताया गया है। टीजर देखने के बाद भी फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं चलता है। यह मेकर्स की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। हां, टीजर देखने के बाद फिल्म को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ती है।

टीजर देखकर पता चलता है कि 'एनिमल' के बाद बॉबी देओल एक बार फिर एक अलग तरह के किरदार में नजर आने वाले हैं। 'बंदर' के टीजर की शुरुआत पागलपन के साथ होती है। लेकिन कहानी में अचानक ट्विस्ट आता है और पूरी कहानी बदल जाती है। यहां से जो सामने आता है, वो उस कहानी की झलक है जो शुरुआत में दिखने वाली चीजों से कहीं ज्यादा रोचक मालूम पड़ती है। 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है, जो पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसी बेहतरीन कहानियों के लिए जाने जाते हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'बंदर' को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है। 'बंदर' 5 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

## 'राजा शिवाजी' ने दिखाया दमखम, 'एक दिन' का बुरा हाल

सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'राजा शिवाजी' ने छठे दिन 4.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म ने मंगलवार को 4.90 करोड़ रुपये कमाए थे। रितेश देशमुख अभिनीत, निर्देशित इस फिल्म ने कुल 48.67 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म मराठी के अलावा हिंदी में भी रिलीज हुई है। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' हफ्ते भर से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई है। फिल्म ने छठे दिन सिर्फ 21 लाख रुपये कमाए हैं, जबकि पांचवें दिन इसने 25 लाख रुपये की अपने खाते में जमा किए थे।

इस वक्त सिनेमाघरों में कई फिल्में कमाई करने की दौड़ में शामिल हैं। हिंदी फिल्म 'एक दिन', 'भूत बंगला' और 'धुरंधर 2' के अलावा मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' का एक-दूसरे से थिएटर में मुकाबला है। वहीं हॉलीवुड की दो फिल्में 'माइकल' और 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' भी दमखम दिखा रही है। बुधवार को इन सभी फिल्मों ने कितना कलेक्शन किया है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'राजा शिवाजी' ने छठे दिन 4.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म ने मंगलवार को 4.90 करोड़ रुपये कमाए थे। रितेश देशमुख अभिनीत, निर्देशित इस फिल्म ने कुल 48.67 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म मराठी के अलावा हिंदी में भी रिलीज हुई है। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' हफ्ते भर से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई है। फिल्म ने छठे दिन सिर्फ 21 लाख रुपये कमाए हैं, जबकि पांचवें दिन इसने 25 लाख रुपये की अपने खाते में जमा किए थे। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 3.36 करोड़ रुपये है। अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को सिनेमाघरों में 20 दिन हो चुके हैं। इस फिल्म ने बुधवार को 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। जबकि 19वें दिन 2.25 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं फिल्म का कुल कलेक्शन 148.25 करोड़ रुपये हो चुका है। इसके अलावा 'धुरंधर 2' ने रिलीज के 49वें दिन 62 लाख रुपये कमाए हैं। इस फिल्म का कुल कलेक्शन अब तक 1,140.17 करोड़ रुपये हो चुका है। इन दिनों को हॉलीवुड फिल्में 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' और 'माइकल' भी भारतीय सिनेमाघरों में मौजूद हैं। 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' ने रिलीज के छठे दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाए हैं।

# भाजपा महिला मोर्चा की जन आक्रोश पदयात्रा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में कांग्रेस पर साधा निशाना

**महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण को लेकर भाजपा महिला कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कांग्रेस पर दोहरे चरित्र और महिला विरोधी राजनीति के लगाए आरोप**

**इटारसी।** नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा इटारसी में जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा के माध्यम से महिला कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पर महिला हितों की अनदेखी करने और नारी सम्मान के मुद्दे पर दोहरी राजनीति करने के आरोप लगाए। शहर में निकाली गई इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर नारी सम्मान और अधिकारों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष जागृति भदौरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है, लेकिन कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण कानून का समर्थन करने के बजाय हमेशा इसका विरोध किया।

उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर कांग्रेस महिला सशक्तिकरण की बातें करती है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखाती। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब नारी शक्ति का अपमान हुआ है, तब-तब उसका परिणाम विनाशकारी रहा है। जागृति भदौरिया ने कहा कि देश की आधी आबादी अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी है और महिलाएं अब हर क्षेत्र में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं।

जिला मंत्री ममता मालवीय ने अपने संबोधन में कहा कि जब महिलाओं को समान अधिकार देने की बात आती है तो कांग्रेस पीछे हट जाती है। उन्होंने कहा कि आज की नारी अब कमजोर नहीं बल्कि आत्मनिर्भर और सशक्त बन चुकी है। महिलाएं अब अपने अधिकार मांगना ही नहीं, बल्कि उन्हें प्राप्त करना भी जानती हैं। उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए भाजपा निरंतर संघर्ष कर रही है और भविष्य में भी यह लड़ाई जारी रहेगी। पदयात्रा के दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने नारी सम्मान, महिला आरक्षण और महिला सशक्तिकरण के समर्थन में नारेबाजी भी की। कार्यक्रम में हेमलता कदम, रीना डोइफोड़े, सरला लोट, अमीना बी, रानी वर्मा, आरती बस्तवार, मुमताज, साधना योगी, स्वप्निल बौरासी, कृष्णा प्रजापति, सरस्वती कैथवास, संध्या सराठे, पूजा कैथवास, रेणु कैथवास, आरती रैकवार, सुनीता झरवड़े, सुमित्रा बाई, पिंकी कुशवाहा, कीर्ति कैथवास, कमला कैथवास सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

# भीषण गर्मी में किसानों-व्यापारियों को राहत, इटारसी कृषि उपज मंडी में 300 लीटर क्षमता वाले वॉटर कूलर का लोकार्पण

**ग्रेन मर्चेंट एवं न्यू ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन की संयुक्त पहल; कृषकों, हम्मालों और मंडी कर्मचारियों के लिए शुद्ध ठंडे पानी की सुविधा शुरू, आईसक्रीम वितरण के साथ मनाया गया आयोजन**

**इटारसी।** भीषण गर्मी के बीच कृषि उपज मंडी इटारसी में किसानों, व्यापारियों, हम्माल-तुलावटियों और मंडी कर्मचारियों को बड़ी राहत देने वाली पहल की गई। कृषि उपज मंडी समिति इटारसी के अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों की प्रतिनिधि संस्था दी ग्रेन मर्चेंट एवं न्यू ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के संयुक्त सौजन्य से मंडी परिसर में ब्लू स्टार कंपनी का 300 लीटर प्रति घंटे की क्षमता वाला अत्याधुनिक वॉटर कूलर स्थापित किया गया, जिसका विधिवत लोकार्पण वरिष्ठ व्यापारी सुरेश ओसवाल, संस्था अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल 'कक्का', नवीन शर्मा तथा मंडी सचिव प्रशांत पाण्डेय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर पुरोहित पंडित नरेंद्र शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों ने लाल फीता काटकर वॉटर कूलर का लोकार्पण किया और इसे जनहित में समर्पित किया। उपस्थितजनों ने इस पहल को मंडी में आने वाले हजारों किसानों और श्रमिकों के लिए उपयोगी बताते हुए संस्था की सराहना की।

गर्मी के मौसम में मंडी परिसर में बड़ी संख्या में किसानों और मजदूरों की आवाजाही रहती है। ऐसे में शुद्ध एवं ठंडे पेयजल की व्यवस्था लंबे समय से महसूस की जा रही थी। व्यापारिक संस्थाओं द्वारा की गई यह पहल अब मंडी में आने वाले लोगों को राहत प्रदान करेगी। कार्यक्रम के दौरान सभी कृषकों, व्यापारियों, मंडी कर्मचारियों तथा हम्माल-तुलावटियों को आईसक्रीम वितरित कर गर्मी से राहत दिलाई गई। आयोजन का माहौल उत्साह और सामाजिक सहभागिता से भरा नजर आया।

इस अवसर पर संस्था सचिव अनिल राठी, हिमांशु बाबू अग्रवाल, रमेश चाण्डक, संतोष ओसवाल, प्रदीप अग्रवाल, भगवानदास मालवीय, आशीष दुबे, अनिल मित्तल, प्रदीप साहू, कमल मित्तल, विनीत राठी, हितेष अग्रवाल, योगेश वर्मा, राकेश ओसवाल, माँगीलाल मालपानी, दीपांशु अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, खुशहाल मालपानी, चुटई महाराज, कान्हा शर्मा, शैलेष ओसवाल, दीपक श्रीराम अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, संजय अग्रवाल आस्था, प्रदीप यादव, प्रमोद यादव सहित बड़ी संख्या में मंडी कर्मचारी, कृषक एवं हम्माल-तुलावटी उपस्थित रहे।

व्यापारी प्रतिनिधियों ने कहा कि मंडी में किसानों और श्रमिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्य किए जाते रहेंगे, ताकि मंडी परिसर में बेहतर वातावरण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

# आदर्श जिला बनाने के लिए समन्वित प्रयास करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

### जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक हुई

**भोपाल।** आदर्श जिला बनाने के लिए सभी समन्वित रूप से प्रयास करें, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन, लोकार्पण करें। प्रदेश सरकार समग्र विकास के लिए संकल्पित है। सागर रिंग रोड, बायपास का कार्य शीघ्रता से करें, साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य तत्काल शुरू करें। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में व्यक्त किए।

उप मुख्यमंत्री मंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सागर को आदर्श जिला बनाने के लिए सभी समन्वयक रूप से कार्य करें। स्मार्ट सिटी के माध्यम से सागर में अन्य शहरों की अपेक्षा बहुत अच्छे कार्य हुए है। जिससे सागर अपनी नयी पहचान बनाने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि सागर शहर को जोड़ने वाले रिंग रोड एवं भोपाल, जबलपुर, नरसिंहपुर को जोड़ने वाले वाईपास का कार्य शीघ्र गति से पूरा करें जिससे जिलेवासियों के साथ अन्य व्यक्तियों को इसका लाभ प्राप्त हो सके।

उन्होंने निर्देश दिए कि बीना रिफाईनरी के परिक्षेत्र में सड़कों का निरीक्षण करें एवं मरम्मत के लिए डीपीआर तैयार कराएं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री सड़क के प्रस्ताव विधानसभावार तैयार कर सूची उपलब्ध कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रकार के निर्माण कार्यों की स्वीकृति भूमि-पूजन, लोकापर्ण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के माध्यम से सागर में विधायक भूपेन्द्र सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन के मार्गदर्शन में बहुत अच्छे कार्य हुए हैं जिसके माध्यम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की परिकल्पना पूरी हो रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सागर नगर की ट्राफिक व्यवस्था सुधारने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्टिंग का कार्य एवं राजघाट चौराहे से धर्मतक सड़कों से खंभे हटाने का कार्य शीघ्र गति से करें। विधायक एवं पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन, विधायक प्रदीप लारिया, बीना विधायक निर्मला सप्रे, जिला पंचायत अक्ष्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने विभिन्न विषयों में विचार व्यक्त किये। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, जिला पंचायत सीईओ विवेक केवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, समिति सदस्य एवं अधिकारी मौजूद थे।

## 2.30 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन, उपनगर ग्वालियर की बस्तियों में मूर्तरूप लेंगे विकास कार्य

**भोपाल।** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपनगर ग्वालियर के वार्ड-5 की विभिन्न बस्तियों में विकास को नई गति देने के लिए लगभग 2 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। भूमि-पूजन के अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि ग्वालियर के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में विकास की श्रृंखला निरंतर जारी है और हमारा लक्ष्य हर वार्ड को बुनियादी सुविधाओं से संपन्न करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। उन्होंने स्थानीय नागरिकों को भरोसा दिलाया कि विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि आज जिन विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया गया है, उनके कार्य पूर्ण होने पर क्षेत्र के नागरिकों को सड़क, सीवर, विद्युत आदि की समस्याओं से निजात मिलेगी। साथ ही कहा कि आमजन की सुविधा को देखते हुए शीघ्र ही इस क्षेत्र में संजीवनी क्लीनिक का शुभारंभ होने जा रहा है। संजीवनी क्लीनिक शुरू होने पर स्थानीय निवासियों को घर के नजदीक ही छोटी-छोटी बीमारियों के निशुल्क इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीराम कॉलोनी एवं मोतीझील क्षेत्र में भ्रमण कर क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने नागरिकों से सड़क, सीवर, जलापूर्ति, बिजली एवं स्वच्छता जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिये निर्देशित किया। भूमि-पूजन के अवसर पर सर्वचिंटू परमार, प्रयाग तोमर, जगत कौरव, शैली शर्मा, सतेन्द्र, रघुवीर राय, मुकुट जादौन, बच्चन किरार, शैलू चौहान सहित बडी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

# ऐपल का भारत को 100 करोड़ का बड़ा तोहफा, 6 छोटी कंपनियों की चमकेगी किस्मत!

**नई दिल्ली।** दिग्गज टेक कंपनी ऐपल ने भारत के पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश करने का ऐलान किया है। कंपनी 100 करोड़ रुपये का निवेश कर देश भर में स्वच्छ ऊर्जा का बुनियादी ढांचा तैयार करेगी। इस पहल से 1.5 लाख घरों को साफ बिजली मिल सकेगी और 150 मेगावाट से ज्यादा रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता विकसित होगी। यह निवेश रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपर कंपनी CleanMa& के साथ मिलकर किया जा रहा है।, श्रश्चद्द पहले भी CleanMa& के साथ अपने भारतीय दफ्तरों और रिटेल स्टोर्स को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा पर चलाने के लिए रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स लगा चुकी है। अब यह साझेदारी कंपनी की भारत में पूरी सप्लाई चेन को स्वच्छ ऊर्जा पर ले जाने का लक्ष्य रखती है। Apple ने Acumen के साथ साझेदारी कर छह शुरुआती स्तर के स्टार्टअप्स को वित्तीय अनुदान, मेंटरशिप और रणनीतिक मदद देने का फैसला किया है। ये स्टार्टअप्स कचरा प्रबंधन, सर्कुलर इकोनॉमी और टिकाऊ आजीविका जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। इनमें Saptkrishi (किसानों के लिए सस्ता फार्म स्टोरेज), Yotuh Energy (इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटेड ट्रांसपोर्ट) और MOWO Fleet (महिलाओं को श्चङ्क ड्राइवर बनाने वाली) जैसी कंपनियां शामिल हैं। Apple का लक्ष्य 2030 तक अपनी पूरी ग्लोबल कार्यप्रणाली को कार्बन न्यूट्रल बनाना है। कंपनी WWF-India के साथ रीसाइक्लिंग सिस्टम को मजबूत कर रही है और Goa के Sahas Zero Waste कार्यक्रम को कोयंबटूर जैसे नए शहरों तक बढ़ा रही है। Apple की हालिया पर्यावरण रिपोर्ट बताती है कि 2015 के बाद कंपनी के राजस्व में 78 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन ग्लोबल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 60 प्रतिशत से ज्यादा की कमी दर्ज की गई है। भारत में फॉक्सकॉन और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे पार्टनर्स के साथ मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है।

## रतलाम के डायल-112 हीरोज: सड़क हादसे में घायल हुए तीन लोगों को समय पर पहुंचाया अस्पताल

**भोपाल** । रतलाम जिले के थाना रिंगनोद क्षेत्र मेंडायल-112 जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया और संवेदनशील कार्यवाहीसे सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार दिलाया गया। समय पर मिली सहायता से घायलों को शीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी। 07 मई को सुबह राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना रिंगनोद क्षेत्र अंतर्गतबिनोलीफंटा रोडपर दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने से टक्कर हो गई है, जिसमें तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही रिंगनोद थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। डायल 112 स्टॉफआरक्षक चंद्रपाल सिंह एवं पायलट मंगलेश्वर सूर्यवंशीने मौके पर पहुँचकरपाया कि मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। डायल-112 जवानों ने बिना समय गंवाए सभी घायलों कोएफआरव्ही वाहनकी सहायता से तत्कालशासकीय अस्पताल जावरापहुँचाया।डायल-112 जवानों की तत्परता से घायलों को समय पर उपचार मिल सका। डायल 112 हीरोजश्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा हर आपात परिस्थिति में त्वरित सहायता, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना के साथ आमजन के लिए सदैव सक्रिय और प्रतिबद्ध है।

# रिपोर्ट में दावा : बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता से रियल एस्टेट सेक्टर के सेंटिमेंट कमजोर

**मुंबई ।** बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच देश के रियल एस्टेट सेक्टर के सेंटिमेंट यानी भावना लगातार कमजोर होती जा रहे हैं। राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नरेडको) और नाइटफ्रैंक के सेंटिमेंट इंडेक्स 2026 की पहली तिमाही की रिपोर्ट जारी कर बताया है कि मौजूदा सेंटिमेंट स्कोर 60 से गिरकर 49 पर और भविष्य का सेंटिमेंट स्कोर 61 से गिरकर 50 पर आ गया है। वैश्विक अनिश्चितता के बीच रियल एस्टेट सेक्टर सतर्कता के दौर में प्रवेश कर गया है। नरेडको के अनुसार सेंटिमेंट में यह नरमी वैश्विक व्यापक आर्थिक अस्थिरता के कारण है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाया है, जिससे निर्माण और लॉजिस्टिक लागत प्रभावित हुई हैं और परियोजनाओं की व्यवहार्यता पर असर पड़ा है। साथ ही सख्त परिस्थितियों की वजह से स्टॉकहोल्डर्स अधिक सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि भारत की आर्थिक बुनियाद काफी स्थिर और मजबूत बनी हुई है, बावजूद इसके भू-राजनीतिक परिस्थितयां अब रियल स्टेट की मांग और आपूर्ति की गतिशितला को प्रभावित कर रही हैं। नरेडको और नाइटफ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार आवासीय यानी घरों की मांग में नरमी देखने को मिल रही है। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में बिक्री और नई लॉन्च में नरमी देखी गई है, जो चक्रीय समकेन और खरीदारों की सतर्कता को दर्शाता है। निकट भविष्य में मांग में और कमजोरी आने की संभावना है, जबकि संपत्ति की कीमतें स्थिर बनी रह सकती हैं, या बढ़ती रह सकती है। लेकिन भविष्य के लिए चुनौतियां बनी हुई हैं। रिपोर्ट बताती है कि 52 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना है, घरों बिक्री में गिरावट आएगी।

### डेवलपर्स अधिक सतर्क हो गए हैं

आपूर्ति पक्ष पर भी इसी तरह की नरमी देखने को मिल रही है, क्योंकि नए प्रोजेक्ट लॉन्च की गति धीमी हो गई है और डेवलपर्स अधिक सतर्क हो गए हैं। वही मांग कमजोर होने के बाद भी घरों की कीमतें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। लगभग 73 उत्तरदाताओं का कहना है कि कीमतें या तो बढ़ेंगी या फिर स्थिर रहेंगी। इसकी मुख्य वजह बढ़ती लागत जिसमें निर्माण सामग्री, लेबर और ऋण कीमतों को ऊंचा बनाए रखना है। ये लागत घरों की कीमतों को बढ़ा सकती हैं।

### ऑफिस बाजार में वृद्धि की उम्मीद

ऑफिस बाजार में वृद्धि की उम्मीद फिलहाल देखने को मिल रही है। लिजिंग स्थिर रहने की उम्मीद है। जिसकी मुख्य वजह प्रमुख बाजारों में सीमित आपूर्ति किराय में वृद्धि को समर्थन दे रही हैं। इसलिए हम आनेवाले अवधि में इस बाजार में स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि पिछली तिमाहियों की तुलना में वृद्धि की गति धीमी हुई है। ऑफिस लिजिंग मांग स्थिर बनी हुई है। नरेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और मुद्रास्फीति के दबाव के बीच अचल संपत्ति क्षेत्र की भावना में नरमी आई है। हालांकि यह आवासीय बाजार की मूलभूत मजबूती में किसी कमी के बजाए अल्पकालिक सतर्कता को दर्शाता है। आवासीय भावना में आई इस नरमी को एक लंबे समय तक इस क्षेत्र में हुई खरीदारी के बाद पुर्नसंतुलन के रूप में देखा जा सकता है। वहीं ऑफिस बाजार में वृद्धि की उम्मीद फिलहाल देखने को मिल रही है।

## दि आईकॉनिक स्कूल में स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस पर प्रशिक्षण संपन्न

**भोपाल।** दि आईकॉनिक स्कूल में सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत ÷स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस÷ विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित करना रहा। प्रशिक्षण के दौरान हेल्थ एंडएचआईवी प्रिवेंशन, मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस, इंटरपर्सनल रिलेशनशिप तथा हेल्पलाइन सर्विसेज सहित कुल 11 मॉड्यूल पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती प्रीति खन्ना एवं श्रीमती भारती शर्मा ने सहभागियों को व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की। इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएँ सुचारु रूप से संचालित की गईं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल ( म.प्र ) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 ( सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)